दैनिक सांध्यकालीन

मेट्रो खबर

APPROVED BY DAVP
डाक पंजीयन संख्या - म.प्र./भोपाल/4-550/2025-27

वर्ष-16 अंक-01 | भोपाल, मंगलवार 24 जून 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य 1 रुपये

प्रधानमंत्री श्री मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की मुलाकात

प्रदेश के विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में शामिल होने का दिया आमंत्रण

भोपाल, ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर प्रदेश में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें मध्यप्रदेश में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन कार्यक्रमों के लिए मध्यप्रदेश आने के लिए आमत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान्तर्गत खंडवा जिला भूगर्भ-जल भंडारण में पूरे देश में प्रथम आया है और मध्यप्रदेश ने शीर्ष चार राज्यों में स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की प्रेरणा गुजरात सरकार से मिली है, जहाँ पुराने कुएं, बावड़ियों, नदी तटों का जीर्णोद्धार कर भूगर्भ-जल भंडारण के विशेष काम किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को अभियान के समापन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से सम्मिलित होकर आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सहर्ष स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में चार स्तंभों-गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास की दिशा में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने और कृषि आधारित उद्योगों के नए अवसर सृजिन करने के उद्देश्य से आगामी 12-13 और 14 अक्टूबर को सीहोर जिले में 2 लाख से अधिक किसानों का वृहद सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को इस सम्मेलन के उद्घाटन करने के लिए निमंत्रण दिया।

पीएम को दिया आमंत्रण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से जनजातीय अंचल धार में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है। उन्होंने पार्क के भूमि-पूजन और औद्योगिक खंडों के आवंटन के लिए भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल में मेट्रो ट्रेन इस वर्ष अक्टूबर माह तक प्रारंभ हो जाएगी, प्रधानमंत्री श्री मोदी को इसका करने का न्यौता भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सलवाद समाप्त करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि विगत डेढ़ वर्ष में 10 से अधिक नक्सलवादी मारे गए हैं जिन पर एक करोड़ 62 लाख रुपए का इनाम था। प्रदेश का बालाघाट एकमात्र नक्सल प्रभावित जिला था, जिसमें तहसील स्तर पर ही कुछ नक्सल गतिविधियां रह गई हैं।

हाइफा में ईरानी मिसाइलों से तबाही

न अलर्ट आया न सायरन बजा

आयरन डोम भी फेल

नई दिल्ली, एजेंसी।

'देर रात ही मुझे पता चल गया था कि अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर बमबारी कर उसे तबाह कर दिया है। ये जानकर मैं खुश हुआ और राहत भी महसूस हुई। हालांकि, ये डर भी सताने लगा कि अब ईरान इसके जवाब में और खतरनाक हमले कर सकता है। मुझे पूरी रात नींद नहीं आई, सुबह हुआ भी यही।'

गिलान चपेआ, इजराइल की पोर्ट सिटी हाइफा के सेंट्रल इलाके में रहते हैं। 22 जून की सुबह ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल उनके घर से सिर्फ 30 मीटर की दूरी पर गिरी। धमाके की आवाज इतनी तेज थी, जो इससे पहले कभी नहीं सुनी। गिलान की जिंदगी में ये अब तक का सबसे खौफनाक मंजर था।

उनकी पत्नी हाना कहती हैं, 'इस मिसाइल अटैक से पहले न कोई अलर्ट मिला और न ही सायरन बजा। इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ।'

ये सेंट्रल हाइफा की तस्वीर है, जहां 22 जून की सुबह ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया।

ये सेंट्रल हाइफा की तस्वीर है, जहां 22 जून की सुबह ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया।

ऐसा महसूस करने वाले गिलान और हाना अकेले नहीं हैं। हाइफा में दैनिक भास्कर से बात करने वाले ज्यादातर लोग कहते हैं कि हमास के हमलों के वक्त ऐसे धमाके कभी नहीं हुए। इसीलिए पहले लोग सायरन को लेकर ज्यादा गंभीर नहीं थे। ईरान के हमले इतने खतरनाक हैं कि अब सायरन की आवाज सुनते ही लोग सेफ हाउस की ओर भागते हैं।

हाइफा में ही भारत के अडाणी ग्रुप का पोर्ट भी है। हालांकि ईरानी हमलों में इसे नुकसान पहुंचने की कोई जानकारी नहीं है। नेवल बेस होने के कारण हमें वहां तक जाने की परमिशन नहीं मिली।

सेफ हाउस में जाने का न अलर्ट मिला, न सायरन बजा

गिलान 22 जून का घटनाक्रम सिलसिलेवार सुनाते हैं। वे बताते हैं 'सुबह करीब साढ़े 7 का वक्त था। मैं पत्नी हाना और बेटे हालोन के साथ घर पर ही था। फोन पर एक अपडेट मिला- अगले कुछ मिनटों में इलाके में अलर्ट हो सकता है। आप बेहतर लोकेशन पर चले जाएं, जहां पर आप सेफ हों। अगर आपको अलर्ट मिलता है तो सेफ हाउस में दाखिल हो जाएं और जब तक निर्देश ना मिले, वहीं रहें।' इजराइल के ऑफिशियल ऐप होम फ्रंट कमांड की ओर से लोगों को मिसाइल अटैक से अलर्ट करने के लिए इस तरह के मैसेज आते हैं। इजराइल के ऑफिशियल ऐप होम फ्रंट कमांड की ओर से लोगों को मिसाइल अटैक से अलर्ट करने के लिए इस तरह के मैसेज आते हैं। इजराइल में ऑफिशियल ऐप 'होम फ्रंट कमांड' मिसाइल अटैक की पूरी निगरानी करता है। हर इजराइली नागरिक के फोन में ये ऐप होता है। अगर किसी भी इलाके में मिसाइल अटैक की आशंका होती है, तो पहले एक मैसेज आता है, जैसा गिलान को आया। इसके बाद अगला अलर्ट सेफ हाउस यानी बॉम्ब शेल्टर के अंदर जाने का मिलता है। अगर मिसाइल आपके इलाके की तरफ आ रही है, तब होम फ्रंट कमांड का दूसरा अलर्ट आता है। इसमें फोन वाइब्रेट होने लगता है और सायरन बजने लगता है। होम फ्रंट कमांड के ऐप पर मैसेज फ्लैश होता है- 'आपके इलाके में रॉकेट और मिसाइल फायर। सेफ हाउस में चले जाएं, आपके पास डेढ़ मिनट का वक्त है।'

संक्षिप्त समाचार

मौसम विभाग को भी धोखा दे रहे बदरा, कभी येलो तो कभी रेड अलर्ट के अनुमान हो रहे फेल

नई दिल्ली एजेंसी। मौसम पर नजर रखने वाले जानकारों को भी बदरा धोखा दे रहे हैं। हालात ये हैं कि कई बार अलर्ट जारी होता है पर बारिश नहीं होती। ये अनुमान कई बार फेल हुए हैं। मौसम विभाग के लिए मई और जून में मौसम का आकलन करना काफी जटिल हो रहा है। मौसम विभाग की पूर्वानुमान सटीकता भी इन दो महीनों में सबसे कम रहती है। 2025 में भी मई की पूर्वानुमान सटीकता महज 81 प्रतिशत रही। यह छह सालों में सबसे कम है। जून में भी इस साल पूर्वानुमान कई बार अच्छा नहीं रहा। तीन दिन पहले रेड अलर्ट जारी किया था जिसे बाद में वापस लेना पड़ा। मानसून भी 22 जून तक पहुंचने का पूर्वानुमान किया गया था, लेकिन लोग बीते चार दिनों से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मई में भी कई मौकों पर आंधी का पूर्वानुमान करने में मौसम विभाग विफल रहा। वहीं जून में भी कई बार बारिश का पूर्वानुमान किया गया, लेकिन बारिश चकमा दे गई। या फिर बिना पूर्वानुमान के बारिश आ गई। बारिश शुरू होने के बाद रेड अलर्ट जारी किया गया। आईएमडी के अनुसार, पूरे साल की बात करें तो मई तक इस साल का एक्यूरेसी रेट बीते साल की तुलना में थोड़ा सा सुधरा है।

इजरायल-ईरान युद्ध से एलपीजी पर संकट, सिर्फ 16 दिन का है स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों ने दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति रुकने की आशंकाएं और बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थितियों की तैयारी में भारतीय नीति निर्माताओं और उद्योग नेताओं ने यह माना है कि सभी ईंधनों का जोखिम एक जैसा नहीं है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर एलपीजी सबसे ज्यादा असुरक्षित है। हालांकि एलपीजी अमेरिका, यूरोप, मलेशिया या अफ्रीका के कुछ हिस्सों जैसे वैकल्पिक स्रोतों से भी मंगाई जा सकती है, लेकिन इन देशों से माल भारत पहुंचने में अधिक समय लगेगा। वहीं, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) सिर्फ 1.5 करोड़ भारतीय घरों तक ही पहुंची है। इसलिए यह देश के 33 करोड़ एलपीजी कनेक्शनों के लिए व्यावहारिक विकल्प नहीं है। वहीं दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि भारत के पास कई हफ्तों के लिए तेल भंडार पर्याप्त है। पिछले एक दशक में, सरकार के प्रयासों से भारत में एलपीजी का इस्तेमाल दोगुना होकर 33 करोड़ घरों तक पहुंच गया है। इससे देश की आयात पर निर्भरता बढ़ी है।

होर्मुज जलडमरू-मध्य को बंद करने का ईरानी संसद में प्रस्ताव पास

अंतिम फैसला खामेनेई का...

तेहरान एजेंसी।

ईरानी संसद ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित कर होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का समर्थन किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम तेल परिवहन मार्गों में से एक है और इस पर नियंत्रण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डालेगा है।

हालांकि, प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय ईरानी सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल और देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लिया जाएगा। ईरानी संसद के राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के सदस्य और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर इस्माइल कोसारी ने बताया, ÷संसद इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया जाना चाहिए, लेकिन अंतिम निर्णय सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी

काउंसिल के पास है।

यह वोट अमेरिका द्वारा चलाए गए ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद हुआ, जिसमें अमेरिकी बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हमला किया। कुल 125 सैन्य विमान हमले में शामिल थे और 25 मिनट में पूरा अभियान पूरा किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और इन परमाणु ठिकानों को पूरी तरह तबाह किया है। हालांकि, संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ चेयरमैन जनरल डैन कैन ने कहा कि इन स्थलों पर हुए नुकसान का पूरा आकलन करने में कुछ समय लगेगा।

क्या वास्तव में होर्मुज जलमडरूमध्य को बंद करेगा

यदि ईरान वास्तव में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करता है, तब इसका मतलब होगा कि वह रास्ते को नौवहन के लिए असुरक्षित बना देगा, जैसे कि समुद्र में माइन बिछाना या तेल टैंकरों पर मिसाइल हमले करना। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। इसकी चौड़ाई सबसे संकीर्ण बिंदु पर लगभग 21 मील है, जिसमें दो-दो मील की दो नौवहन लेन हैं। विश्व भर के लगभग 20 प्रतिशत तेल का व्यापार इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर ईरान इस रास्ते को बंद करता है, तब तेल की कीमतों में 30-50 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है और ईंधन की खुदरा कीमतों में पांच डॉलर प्रति गैलन तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने छात्रों को संबोधित कर कहा-

वहनीयता महज नारा नहीं बल्कि अब एक अनिवार्यता बनी

नई दिल्ली, एजेंसी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को स्पष्ट शब्दों में कहा कि वहनीयता अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। राष्ट्रपति मुर्मू राजधानी दिल्ली में इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के 12वें राष्ट्रीय छात्र दीक्षांत समारोह 2025 को संबोधित कर रही थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संबोधन में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे को रेखांकित करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब हर क्षेत्र, विशेष रूप से कॉर्पोरेट सेक्टर, को पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल लाभ कमाना अब कंपनियों का एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता, उन्हें पर्यावरणीय लागत और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी अपने कार्यों का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यक्रम में मौजूद कॉस्ट और मैनेजमेंट अकाउंटिंग (सीएमए) के छात्रों और पेशेवरों को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी लागत लेखाकार अपने कौशल, दृष्टिकोण और डेटा आधारित विश्लेषण से ग्रह के भविष्य को बेहतर बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि लेखांकन और जवाबदेही के बीच गहरा संबंध होता है, और यह जिम्मेदारी सिर्फ वित्तीय पारदर्शिता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसमें पर्यावरणीय और सामाजिक उत्तरदायित्व भी शामिल होने चाहिए।

दिल्ली के जख्म पर गुजरात और पंजाब की जीत ने लगाया मरहम

गदगद केजरीवाल ने कहा, कांग्रेस और बीजेपी को जनता ने नकारा

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों करारी हार झेलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के गढ़ गुजरात में विसावदर विधानसभा सीट पर जीत का परचम लहराया है। इस सीट पर हुए उपचुनाव में आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया जीत गए

हैं। वहीं, पंजाब के लुधियाना वेस्ट सीट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने जीत हासिल की है। इन दोनों सीट पर मिली जीत से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल गदगद हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों सीट पर जनता ने भाजपा और कांग्रेस को नकार दिया है। केजरीवाल ने पोस्ट कर लिखा, ÷विसावदर और लुधियाना पश्चिम सीटों पर आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर आप सभी को बहुत बहुत बधाई। दोनों जगह पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने मार्जिन से जीत हुई है।

इजराइल-ईरान युद्ध से एयरलाइंसों पर असर, सुरक्षित क्षेत्रों का कर रही इस्तेमाल

इस बदलाव से ईंधन की खपत बढ़ी और उड़ान संचालन भी हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी।

अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले किए जाने के बाद से मध्य पूर्व में एयर ट्रैफिक को चुनौतियों का समाना करना पड़ रहा है। बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के चलते एयरलाइंस अब इस क्षेत्र के हवाई क्षेत्र के बड़े हिस्से से उड़ान भरने से बच रही हैं, जिसके कारण उड़ानों में देरी हो रही है, उड़ान का समय और लागत बढ़ रही है।

मीडिया रिपोर्ट में फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस के मुताबिक कमर्शियल विमान ईरान, इराक, सीरिया और इजराइल जैसे

देशों के ऊपर से उड़ान भरने से बच रहे हैं और अपना मार्ग बदल रहे हैं। इसके बजाय वे कैस्पियन सागर, मिस्र या सऊदी अरब जैसे सुरक्षित क्षेत्रों से होकर जा रहे हैं। इस बदलाव के कारण ईंधन की खपत बढ़ रही है और उड़ान संचालन भी महंगा हुआ है। फ्लाइट सर्विस ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि अमेरिकी हमलों के बाद कमर्शियल विमान उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में उड़ान भरने से बच रहे हैं, पिछले सप्ताह लागू किए गए हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों का पालन कर रहे हैं। मध्य पूर्व क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, क्योंकि मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ रहे हैं।

एविएशन रिस्क मॉनिटरिंग ग्रुप सेफ एयरस्पेस ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी हमलों से मध्य पूर्व के पास उड़ान भरने वाली अमेरिकी एयरलाइनों के लिए जोखिम बढ़ सकता है।

हालांकि अभी तक नागरिक विमानों को कोई खतरा नहीं है, लेकिन ग्रुप ने कहा है कि ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर या हिजबुल्लाह जैसे अपने सहयोगियों का इस्तेमाल करके जवाब दे सकता है, जिससे बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अन्य खाड़ी देशों में भी खतरा बढ़ सकता है।

इजराइल की मुख्य एयरलाइनों ने अपने नागरिकों को वापस घर लाने के लिए बचाव उड़ानें चलाना बंद कर दिया है और यह भी घोषणा की कि उसकी नियमित वाणिज्यिक उड़ानें कम से कम 27 जून तक निलंबित रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम एशिया में तनाव का असर, अमेरिका ने अपने नागरिकों को यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की दी सलाह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए दुनियाभर में कहीं भी यात्रा को लेकर यात्रा सलाह जारी की है। अमेरिका की यह सलाह ऐसे समय जारी की गई है, जब अमेरिका ने ईरान के परमाणु केंद्रों पर शनिवार देर रात हमले किए। जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की बात कही है। अमेरिका के विदेश विभाग ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि दुनियाभर में सावधानी रखें : ईरान और इस्राइल के बीच जारी संघर्ष के चलते पश्चिम एशिया में हालात खराब हैं और वहां एयरस्पेस भी बंद है। ऐसे में विदेशों में अमेरिका या अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ प्रदर्शन हो सकते हैं। विदेश विभाग की सलाह है कि अमेरिकी नागरिक दुनियाभर में कहीं भी यात्रा कर रहे हैं तो सावधान रहें और जो भी यात्रा संबंधी दिशा-निर्देश हैं, उन्हें ध्यान से पढ़ें। साथ ही जहां जा रहे हैं, वहां सुरक्षा अलर्ट की भी जानकारी लें। अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए सऊदी अरब, तुर्किये, इराक, यूएई और जॉर्डन में भी सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। साथ ही लेबनान न जाने की सलाह दी गई है। यह एडवाइजरी ऐसे समय जारी की गई है, जब शनिवार देर रात अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमले किए थे। अमेरिका का दावा है कि इन हमलों में ईरान के परमाणु केंद्रों को भारी नुकसान हुआ है। खासकर फोर्डो परमाणु केंद्र पर। इस भूमिगत परमाणु केंद्र पर अमेरिका ने बंकर बस्टर बमों से हमला किया।

यूएस के मिशिगन में चर्च पर गोलीबारी, हमलावर ढेर

मिशगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशगन में एक चर्च पर गोलीबारी का मामला सामने आया है। इस मामले में स्थानीय सुरक्षाबलों ने हमलावर को मार गिराया। स्थानीय समय के मुताबिक मिशिगन के वेन में क्रॉसपॉइंट चर्च में रविवार को हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति घायल भी हुआ। वेन पुलिस विभाग के अनुसार, अधिकारियों ने चर्च में गोलीबारी की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने पाया कि एक सुरक्षा गार्ड ने संदिग्ध को गोली मारकर मार दिया था। चर्च का सुरक्षा गार्ड घायल हुआ है। उसके पैर में गोली लगी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक गोलीबारी के समय लगभग 20 लोग चर्च में उपस्थित थे। कई बच्चे भी शामिल थे। लोगों ने छिपने की जगहों पर भागकर अपनी जान बचाई।

ग्रीस के चियोस द्वीप के जंगल में आग लगी

एथेंस , एजेंसी। ग्रीस के चियोस नामक द्वीप पर रविवार को जंगल में आग लग गई। यह आग द्वीप के मुख्य शहर के पास लगी है। आग बुझाने के लिए 100 से ज्यादा फायर ब्रिगेड के कर्मचारी काम कर रहे हैं। वे पानी गिराने वाले हेलीकॉप्टरों और विमानों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन ने सावधानी के तौर पर आसपास के करीब 12 इलाकों को खाली करने का आदेश दिया है। फायर विभाग ने बताया कि रविवार सुबह और दोपहर को तीन अलग-अलग जगहों पर आग लगी। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई और उसे बुझाना मुश्किल हो गया। अब यह भी जांच की जा रही है कि आग कहीं जानबूझकर तो नहीं लगाई गई। इसके लिए एक विशेष टीम को द्वीप पर भेजा गया है।

सीरिया में ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च पर आत्मघाती हमला, 22 लोगों की मौत

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के एक ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में रविवार को एक आत्मघाती हमलावर ने पहले गोलियां चलाईं और फिर खुद को बम से उड़ा लिया। इस हमले में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 63 लोग घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब लोग चर्च में प्रार्थना कर रहे थे। सरकारी न्यूज एजेंसी ड्ढ्ढ ने बताया कि हमला दमिश्क शहर के बाहर दविइला इलाके में स्थित मार एलियास चर्च में हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मरने वालों और घायलों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। यह हमला सीरिया में कई वर्षों बाद चर्च पर हुआ पहला बड़ा हमला है। हमला ऐसे समय में हुआ है जब देश की सरकार अल्पसंख्यकों का समर्थन पाने की कोशिश कर रही है और देश के अलग-अलग हिस्सों में नियंत्रण के लिए संघर्ष चल रहा है।

न्यूयॉर्क में ईरान पर हमले के विरोध में प्रदर्शन; अमेरिकियों ने इस्राइल के समर्थन पर जताई चिंता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद न्यूयॉर्क में लोग सड़क पर उतर आए। लोगों ने अमेरिकी हमलों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों लोगों ने न्यूयॉर्क की सड़कों पर मार्च किया। साथ ही फलस्तीनी झंडे लहराए और ईरान से हाथ हटाओ और ईरान पर युद्ध बंद करो लिखी तख्तियां पकड़कर नारेबाजी की। वहीं ईरान पर किए हमलों और इस्राइल के प्रति समर्थन को लेकर अमेरिकियों ने चिंता भी जाहिर की। अमेरिका ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे। इन हमलों में ईरान के फोर्डो, इस्फहान और नतांज परमाणु स्थलों को निशाना बनाया गया था। हमलों के विरोध में न्यूयॉर्क में लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने ईरान संघर्ष के साथ ही गाजा में सैन्य अभियान के लिए इस्राइल की आलोचना की।

इजराइल का ईरान की मिसाइल फैक्ट्री पर हमला: 2000 किलोमीटर दूर बम गिराए

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान संघर्ष को 10 दिन हो चुके हैं। इजराइली एयरफोर्स ने रविवार देर रात ईरान के शाहरुद में बैलिस्टिक मिसाइल का इंजन बनाने वाली फैक्ट्री पर बमबारी की। यह जगह इजराइल से करीब 2000 किलोमीटर दूर है। इस हमले में इंजन बनाने वाली कई मशीनें और जरूरी इक्विपमेंट तबाह हो गए। इसके अलावा इजराइल ने तेहरान, केरमानशाह और हमादान में भी एयर स्ट्राइक की।

दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान में तख्तापलट के मुद्दे पर बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा- अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए? मेक ईरान ग्रेट अगेन। अमेरिका ने कल ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला करके जंग में एंट्री की। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान थे। इस ऑपरेशन में 7 बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बंकर बस्टर बम गिराए।

इजराइल ने ईरान के 6 एयरपोर्ट पर हमला किया : इजराइली सेना ने ईरान के छह एयरपोर्ट को निशाना बनाया है। इजराइली सेना ने बयान जारी कर बताया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए ईरान के 15 सैन्य विमान और हेलिकॉप्टर नष्ट कर दिए हैं।

ईरान ने इजराइल का हर्मीस ड्रोन मार गिराया गया : ईरान ने अपने पश्चिमी इलाके में इजराइल के एक हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है। इजराइली सेना ने भी इसकी पुष्टि की है। एक बयान जारी कर आईडीएफ ने बताया कि आज सुबह ईरान के पश्चिमी इलाके खुर्रमाबाद में एक ड्रोन मारा गया है।

ईरान बोला- अमेरिका ने गुनाह किया, जवाब मिलेगा : ईरान ने अपने न्यूक्लियर ठिकानों पर हवाई हमलों के लिए अमेरिका को जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सेना के नए चीफ मेजर जनरल अमीर हातामी ने कहा है कि हर बार जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपराध किया है, उसे मुंहतोड़ जवाब मिला है और इस बार भी वही होगा।

इजराइल ने ईरान के करमानशाह में सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए इजराइली सेना ने बताया कि उसके लड़ाकू विमानों ने ईरान के करमानशाह प्रांत में सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि हम इस समय करमानशाह क्षेत्र में ईरानी सैन्य ढांचे पर हमले कर रहे हैं।

बातचीत करने की जरूरत: अल्बानीज : ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अमेरिका के ईरानी परमाणु स्थलों पर हवाई हमले किए जाने के बाद क्षेत्र में किसी भी तरह की वृद्धि को रोकने के लिए बातचीत और कूटनीति का आह्वान किया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने ईरान से बातचीत के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत की मेज पर नहीं आया, क्योंकि वह बार-बार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है। दुनिया लंबे समय से इस बात पर सहमत है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। और हम इसे रोकने के लिए कार्रवाई का समर्थन करते हैं। यही तो है। अमेरिकी कार्रवाई ईरान के परमाणु कार्यक्रम के लिए केंद्रीय विशिष्ट स्थलों पर निर्देशित थी। हम वृद्धि और पूर्ण पैमाने पर युद्ध नहीं चाहते हैं। हम बातचीत और कूटनीति का आह्वान करना जारी रखते हैं। जैसा कि मैंने कई दिनों से कहा है, हम क्षेत्र में किसी भी तरह की वृद्धि को लेकर बहुत चिंतित हैं और हम कूटनीति, संवाद और तनाव में कमी देखना चाहते हैं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने आने वाली चुनौती के बारे में स्पष्ट रहे हैं, जो किसी भी ईरानी परमाणु हथियार कार्यक्रम से उत्पन्न खतरे से निपट रहा है और क्षेत्रीय वृद्धि के जोखिम से निपट रहा है, और इसीलिए ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से बातचीत की मेज पर आने और किसी भी परमाणु हथियार कार्यक्रम को छोड़ने का आह्वान किया। ईरान बातचीत की मेज पर नहीं आया क्योंकि वह बार-बार अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का पालन करने में विफल रहा है। हम ईरान से आग्रह करते हैं कि वह आगे कोई ऐसी कार्रवाई न करे जिससे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो। अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से ईरान से इस्राइल को खत्म करने, परमाणु हथियार रखने के अपने प्रयास को रोकने, अमेरिकी नागरिकों और हितों को निशाना बनाना बंद करने और सद्भावना से शांति वार्ता करने का आग्रह करने का आह्वान किया है।

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने खाई कसम, कहा- दुश्मन इजरायल को दंडित किया जाएगा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हमलों को एक बड़ा अपराध बताया और कसम खाई कि इजरायल को दी जा रही सजा जारी रहेगी। हालिया हमलों के बाद खामेनेई ने जवाबी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, सजा जारी है। यहूदी दुश्मन ने बहुत बड़ी गलती की है, एक बड़ा जुर्म किया है। उसे सजा मिलनी चाहिए और मिल रही है। अभी इस वक्त ही सजा दी जा रही है। लगभग 10 दिन से इजरायल और ईरान युद्ध के मैदान में हैं। 13 जून को ईरान में परमाणु और सैन्य स्थलों समेत कई ठिकानों पर इजरायली हमले हुए, जिनमें कई वरिष्ठ कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शनिवार तक ईरान में 400 से अधिक लोग मारे गए और 3500 से अधिक घायल हुए। उस समय ईरान ने इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन हमलों से जवाबी कार्रवाई भी की। इजरायल में अधिकारियों ने 24 लोगों की मौत की सूचना दी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए के अनुसार, रविवार देर रात एस्फाहान प्रांत में इजरायल के ड्रोन हमले में एक एम्बुलेंस को निशाना बनाया गया, जिसमें तीन लोग मारे गए। नजाफाबाद काउंटी के गवर्नर हमीदरेजा मोहम्मदी फेशारकी ने बताया कि ये एम्बुलेंस एक मरीज को लेकर जा रही थी। हमले में ड्राइवर, मरीज और उसके साथ मौजूद व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, रविवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा कि इजरायल अपने अभियान को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान और गाजा दोनों में पूरी ताकत से इजरायल अपना काम करना जारी रखेगा। नेतन्याहू ने कहा, हम अपने लक्ष्य हासिल करने से पहले इस ऐतिहासिक अभियान को नहीं रोकेंगे। इधर, अमेरिका की एंट्री से मिडिल ईस्ट में बड़ी तेजी से हालात बदल रहे हैं। रविवार (भारतीय समयानुसार) को अमेरिका ने ईरान पर के खिलाफ ऑपरेशन मिडनाइट हैमर चलाया। इसमें बी2 स्टील्थ बॉम्बर के जरिए अमेरिका ने ईरान के कुछ इलाकों में बम बरसाए। एस्फाहान, फोर्डो और नतांज के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों को निशाना बनाया गया।

कई देश ईरान को अपने परमाणु हथियार देने के लिए तैयार, रूस का बड़ा बयान

मास्को, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद से पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री ने रविवार को बताया कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के लिए रूस का दौरा करेंगे। दोनों नेताओं की मुलाकात सोमवार को हो सकती है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि रूस, ईरान का दोस्त है। हम हमेशा एक दूसरे से सलाह मशविरा करते हैं। मैं मॉस्को जा रहा हूं और कल सुबह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ गंभीर मुद्दे पर चर्चा होगी। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पुतिन के खास दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक और युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया। मेदवेदव ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ट्रंप शांतिदूत बनकर आए थे, लेकिन उन्होंने अमेरिका को एक नए युद्ध में झोंक दिया है। मेदवेदेव ने ये भी लिखा कि कई देश हैं, जो अपने परमाणु हथियार ईरान को देने के लिए तैयार हैं। हालांकि मेदवेदेव ने उन देशों का नाम नहीं लिया। पूर्व रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि इस्राइली जनता लगातार हमले के डर में जी रही है और इस्राइल में जगह-जगह बम धमाके हो रहे हैं।

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के घर पर भीड़ का हमला, पिटाई के साथ बेइज्जत भी किया गया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भीड़ द्वारा पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को पीटने का मामला सामने आया है। रविवार को लोगों की भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नुरुल हुदा के ढाका स्थित आवास पर हमला किया। यह हमला ऐसे वक्त किया गया, जब पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने नुरुल हुदा के खिलाफ चुनाव में धांधली के आरोप में शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद ही भीड़ ने नुरुल हुदा के घर पर हमला किया। ढाका के उत्तरा पश्चिम पुलिस स्टेशन के प्रमुख हफीजुर रहमान ने बताया कि सूचना के बाद हम मौके पर पहुंचे तो भीड़ ने हुदा को घेरा हुआ था।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को भीड़ ने पीटा, गालियां दीं : पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक भीड़ ने हुदा के ढाका के उत्तरा इलाके में स्थित घर पर धावा बोला और उन्हें खींचकर बाहर ले आई। इस दौरान भीड़ ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को पीटा। सोशल मीडिया पर साझा किए गए पोस्ट में दिख रहा है कि भीड़ ने नुरुल हुदा को पहले जूतों से पीटा और उसके बाद उनके गले में जूतों की माला पहनाई गई। नुरुल हुदा पर अंडे मारे गए और गंदी-गंदी गालियां दी गईं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नुरुल हुदा को हिरासत में लिया। ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मोहीदुल इस्लाम ने बताया कि हुदा को बीएनपी द्वारा दर्ज शिकायत के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया।

बीएनपी ने दर्ज कराया मुकदमा : बीएनपी ने नुरुल हुदा समेत 19 लोगों के खिलाफ चुनाव में धांधली करने की शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों में पूर्व पीएम शेख हसीना का नाम भी शामिल है। हुदा को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हुदा के नेतृत्व में ही बांग्लादेश में साल 2014, 2018 और 2024 के आम चुनाव कराए गए। बीएनपी का आरोप है कि इन चुनाव में लोगों के जनादेश के बगैर शेख हसीना को जीत मिली। हुदा पर हमले को लेकर सोशल मीडिया पर काफी कुछ लिखा जा रहा है। जिसे लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने बयान जारी कर लोगों से कानून हाथ में न लेने की अपील की। यूनुस ने कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात भी कही। बीते साल शेख हसीना सरकार के सत्ता से अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसके मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस बने। शेख हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से जाने के बाद से ही उनके नेताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है।

ईरान पर हमले से अमेरिकी संसद में घमासान, ट्रंप के एकतरफा फैसले से फंसी रिपब्लिकन पार्टी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ईरान के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अचानक सैन्य हमला अब घरेलू राजनीति में भी भारी हलचल मचा रहा है। ट्रंप ने कांग्रेस की पूरी जानकारी के बिना ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने का फैसला लिया, जिससे अमेरिकी संसद में नया विवाद खड़ा हो गया है। खास बात यह रही कि व्हाइट हाउस ने हमले से पहले सिर्फ रिपब्लिकन नेताओं को जानकारी दी, डेमोक्रेट्स यानी विपक्षी पार्टी को लगभग नजरअंदाज ही कर दिया गया।

सीनेट डेमोक्रेट नेता चक शूमर को हमले से ठीक पहले औपचारिक सूचना दी गई, जबकि हाउस डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज तक खबर ट्रंप के ऐलान के बाद पहुंची। कांग्रेस की इंटेलिजेंस कमेटी के टॉप डेमोक्रेट जिम हाइम्स ने कहा कि उन्हें हमले की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली, जो बेहद शर्मनाक बात है। उन्होंने कहा कि यह न सिर्फ गलत बल्कि असंवैधानिक भी है कि संसद को विदेश नीति जैसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा का मौका नहीं दिया गया। ट्रंप की पार्टी में ही बढ़ रहा विवाद ट्रंप का यह कदम उनकी ही पार्टी में भी विवाद का कारण बन गया है। हाउस सांसद थॉमस मैसी और डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना ने मिलकर वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन पेश किया है, जो बिना संसद की मंजूरी के ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग करता है। ट्रंप के इस फैसले को लेकर रिपब्लिकन पार्टी में भी दो धड़े बनते नजर आ रहे हैं। ट्रंप के कट्टर समर्थक भी अब उनसे नाराज दिख रहे हैं। ईरान से युद्ध नहीं- जेडी वेंस खास बात यह भी है कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ इस अभियान को युद्ध नहीं बल्कि परमाणु कार्यक्रम को रोकने की कार्रवाई बता रहा है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा हम ईरान से युद्ध नहीं कर रहे, हम उसके परमाणु कार्यक्रम से लड़ रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपनी ही पार्टी के सांसद थॉमस मैसी पर हमला बोला और उन्हें हारने वाला बताते हुए कहा कि वह उनके खिलाफ ही चुनाव प्रचार करेंगे। इस बीच, कांग्रेस में इस हफ्ते ईरान मुद्दे पर कई अहम प्रस्तावों पर वोटिंग होनी है। इसमें बिना संसद की मंजूरी के अमेरिकी सेना को ईरान में तैनात करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव भी शामिल है। हाउस में भी दोनों पार्टियों के सांसदों ने मिलकर इसी तरह का प्रस्ताव पेश किया है। ट्रंप की यह रणनीति फिलहाल रिपब्लिकन पार्टी को असहज स्थिति में डाल रही है। पार्टी के अंदर ही विरोध की आवाजें तेज हो रही हैं। वहीं, डेमोक्रेट्स का आरोप है कि ट्रंप का यह कदम न सिर्फ असंवैधानिक है बल्कि अमेरिका को फिर एक अनिश्चित विदेश नीति के दलदल में धकेल सकता है।

पाकिस्तान की फिर किरकिरी, डोनाल्ड ट्रंप के नोबेल नामांकन पर घर में ही घिरी शहबाज सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद की सियासत में इन दिनों एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। शहबाज शरीफ सरकार द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए आगे बढ़ाने पर पाकिस्तान में सियासी घमासान मच गया है। खास बात यह है कि ट्रंप की इस सिफारिश के कुछ घंटों बाद ही अमेरिका ने ईरान के तीन अहम परमाणु ठिकानों पर हमला बोल दिया, जिसके बाद पाकिस्तान में सरकार की कड़ी आलोचना शुरू हो गई। पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को अचानक घोषणा की थी कि भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव कम करने में डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका को देखते हुए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया जाएगा। इसके लिए उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने नॉर्वे में नोबेल कमेटी को सिफारिश पत्र भी भेज दिया। लेकिन ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद इस फैसले पर सवाल उठने लगे हैं। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने सरकार से इस सिफारिश को तुरंत वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने ईरान, फिलिस्तीन, सीरिया और लेबनान पर हमलों का समर्थन किया है, उसे शांति पुरस्कार कैसे दिया जा सकता है? फजल ने यह भी आरोप लगाया कि सेना प्रमुख असीम मुनीर से ट्रंप की मुलाकात के बाद पाक हुक्मरानों ने यह सिफारिश की। पूर्व सांसद

मुशाहिद हुसैन ने ट्रंप की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ट्रंप अब कोई शांति दूत नहीं, बल्कि युद्ध का समर्थक बन चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से नोबेल की सिफारिश को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि ट्रंप ने खुद को इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और युद्ध लॉबी के चंगुल में फंसा लिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता अली मोहम्मद खान ने भी इस सिफारिश पर सवाल उठाते हुए पुनर्विचार की बात कही। वहीं, पार्टी के थिंक-टैंक प्रमुख रऊफ हसन ने इसे पाकिस्तान के लिए शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुला उल्लंघन है और ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करना पाकिस्तान की साख पर धब्बा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक: ईरान-इस्राइल-यूएस के टकराव पर मंथन; गुटेरस ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह्स्ट) का आपातकालीन विशेष सत्र बुलाया गया। इसमें यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा, अमेरिका ने ईरानी परमाणु सुविधाओं पर जो बमबारी की है, वह पहले से ही अशांति से जूझ रहे इस देश में खतरनाक मोड़ आने का संकेत दे रही है। इससे बचने के लिए कूटनीति को बढ़ावा देना होगा, नागरिकों की सुरक्षा करनी होगी, सुरक्षित समुद्री परिवहन की गारंटी देनी होगी।

गुटेरेस ने आगे कहा कि हमें लड़ाई को रोकने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर गंभीर, निरंतर वार्ता की ओर लौटने के लिए तुरंत और निर्णायक रूप से कार्य करना होगा। परमाणु अप्रसार संधि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की आधारशिला है। ईरान को इसका पूरा सम्मान करना चाहिए। सभी सदस्य देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के अन्य नियमों के तहत अपने दायित्वों के अनुसार कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में किसी भी और सभी प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार है। रूस, चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित यूएनएससी प्रस्ताव के मसौदे पर आज की सुरक्षा परिषद की बैठक में मतदान नहीं किया जाएगा। यह सिर्फ एक मसौदा है, इसलिए मतदान से पहले इसे सुरक्षा परिषद के सदस्यों के बीच प्रसारित करने की आवश्यकता है। सबसे पहले अगले सप्ताह की शुरुआत से मध्य तक होगा।

रूस-चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित मसौदा प्रस्ताव संक्षिप्त : गुटेरस ने आगे कहा कि रूस, चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित यह मसौदा प्रस्ताव संक्षिप्त है। यह केवल डेढ़ पेज लंबा है, लेकिन इसमें दो मुख्य बिंदु हैं। यह ईरान में आईएईए द्वारा संरक्षित शांतिपूर्ण परमाणु स्थलों और सुविधाओं पर हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। इसमें कहा गया है कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है और आईएईए की संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। इसमें विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका का नाम नहीं लिया गया है। तथ्य यह है कि इसमें तत्काल युद्ध विराम की मांग की गई है, अगर यह अंततः मतदान के लिए जाता है, तो अमेरिका इसे वीटो कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र में यूनाइटेड किंगडम के राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने सुरक्षा परिषद के आपातकालीन विशेष सत्र में देश का पक्ष रखा। उन्होंने यूएनएससी से कहा, संघर्ष क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता तनाव कम करने का समर्थन करना होनी चाहिए। यूके ने अमेरिका या इस्राइल के हमलों में भाग नहीं लिया। केवल सैन्य कार्रवाई ईरान के परमाणु कार्यक्रम के बारे में चिंताओं का स्थायी समाधान नहीं कर सकती। हम ईरान से संयम बरतने का आग्रह करते हैं।

मंत्री श्री पटेल ने सिंध एवं सगड़ नदी के उद्गम स्थल पर पूजन अर्चना की

मंत्री श्री पटेल लटेरी के गोपीतलई में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए

विदिशा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल आज विदिशा जिले की लटेरी तहसील के वार्ड क्रमांक 14 गोपीतलई में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने सिंध एवं सगड़ नदी के उद्गम स्थल पर पूजन अर्चना में सहभागिता निभाई। उद्गम स्थल पर पूजन अर्चना के साथ-साथ जल जल और पंचामृत भी अर्पित किया। इसके उपरांत कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी ने जल स्रोतों को संवारने व उनके जीर्णोद्धार और पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से इस वर्ष जल गंगा संवर्धन अभियान की क्रियान्वयन अवधि 3 माह तक संचालित की है जो जल संरक्षण की दिशा में प्रशंसनीय है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष उन्होंने प्रदेश के कुल 79 उद्गम स्थलों का निरीक्षण किया है, लेकिन जल स्रोतों को संवारने व पानी की उपलब्धता आगामी पीढ़ी को सुनिश्चित हो उसके लिए आज हमें जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पुराने जल स्रोतों को संवारने, पुनर्जीवन और नए निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, ताकि आगामी पीढ़ी को पर्याप्त मात्रा में जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। लेकिन हमें जल स्रोतों की चिंता करनी होगी साथ-साथ उन्हें जिंदा रखना हमारी जिम्मेदारी होगी। पिछले कुछ सालों में ग्रामीण क्षेत्रों में जो जल स्रोत थे वह समाप्त हुए हैं उसकी क्या वजह रही है उसे जानने की आवश्यकता है और उन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता भी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का सिद्धांत है कि नए स्रोत तैयार करें और पुराने जल स्रोतों को भी संवारें। वर्तमान की स्थिति में धरती का जल स्तर नीचे जा रहा है इसलिए हमें जल स्रोतों को संवारना होगा। उन्होंने कहा कि बड़ी नदियां तब बनेगी जब हम छोटी नदियों को बारहमासी बनाएंगे। साथ ही साथ उन्होंने पौधारोपण पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें जल संरक्षण के साथ-साथ पौधे लगाने की भी आवश्यकता है इसलिए हमें पौधे लगाना तो है साथ ही उन्हें वट वृक्ष बन जखने तक संरक्षण का कार्य भी करना है। यदि हम पांच सात वर्षों तक निरंतर इसी प्रकार से कार्य करेंगे तो निश्चित तौर पर जल स्रोतों को तैयार कर सकेंगे और हमारी आगामी पीढ़ी को पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो सकेगा और आने वाले वर्षों में जल संकट जैसी स्थिति निर्मित नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण की दिशा में बासौदा की पाराशरी नदी के लिए किये जा रहा है कार्यों का भी जिक्र किया उन्होंने कहा कि पाराशरी नदी में 5 किलोमीटर तक का कार्य किया जा रहा है, जो क्षेत्र के लिए बड़े स्तर पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। इस दौरान कार्यक्रम में लटेरी नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती शैलेश भंडारी, श्री संदीप डोंगर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, लटेरी एसडीएम श्री विनीत तिवारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक बंधु मौजूद रहे।

बारिश में पेयजल दूषित ना हो पाएं : कलेक्टर श्री गुप्ता

जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता समिति (डीडब्ल्यूएससी) की बैठक आयोजित की गई थी।जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं समस्त उप यंत्री, विद्युत विभाग के अधिकारी तथा जल निगम के अधिकारीगण मौजूद रहे। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वर्षा काल को ध्यान गत रखते हुए इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि एक भी पेयजल स्रोत का पानी दूषित ना हो पाए। उन्होंने स्रोतों के शुध्दिकरण के संदर्भ में क्रियान्वित कार्य में कहीं भी जरा सी भी चूक ना हो के भी निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने आमजनों को बारिश के मौसम में पेयजल को कैसे स्वच्छ रखें की जानकारियों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया है कि वर्षा काल को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सभी स्रोतों का क्लोरिनेशन का कार्य अति शीघ्र पूर्ण कराए। ग्राम पंचायतें यह सुनिश्चित करें कि नलजल योजना के स्रोतों के आसपास कोई गंदगी ना रहे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने नलजल योजना हस्तांतरण के पूर्व संबंधित जनपद के सीईओ के संयुक्त निरीक्षण उपरांत ही संबंधित पंचायत को सौंपी जाए। ग्राम पंचायतों को वितरित किए गए एफटीके के माध्यम से पेयजल के श्रोतों के परीक्षण नियमित रूप से कराया जावे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जल जीवन मिशन के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण अति शीघ्र पूर्ण करें एवं जिन ठेकेदारों द्वारा कार्य करने में विलंब किया जा रहा है उनकी बैठक आयोजित कराकर समय से कार्य पूर्ण कराया जाए इसके बावजूद यदि विलंबता होती है मापदंडों के अनुसार कार्य वाही की जाएं। कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों के साथ नियमानुसार कार्यवाही करें। उन्होंने जलकर की वसूली ग्राम पंचायत एवं सहायता समूह के माध्यम से कराना सुनिश्चित किया जाए से ताकिद किया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और ऊर्जा विभाग को कोई भी योजना विद्युत के कारण बंद ना रहे।स्रोत के अभाव में जो नलजल योजनाएं बंद हुई हैं उनमें वैकल्पिक स्रोत तलाश कर योजनाओं को चालू कराया जाये।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक 28 जून

सीहोर (निप्र)। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 28 जून 2025 को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट के जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक आयोजित की गई है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस-4 के अंतर्गत ओखलीखेडा से कुण्डलपुर तक डामरीकृत सड़क निर्माण हेतु चयन

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के विकासखण्ड लटेरी की ग्राम पंचायत मोतीपुर अंतर्गत ग्राम कुण्डलपुर जिसकी आबादी तीन सौ अस्सी है। इस ग्राम के लिये मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2018 में ओखलीखेडा से कुण्डलपुर तक ग्रेवल मार्ग स्वीकृत हुआ था। जिसमें 2.57 कि.मी. लम्बाई का ग्रेवल मार्ग के साथ मे तीन पुलिया का निर्माण किया जाना था।

जिसका निर्माण ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) विभाग विदिशा द्वारा सितम्बर 2019 में पूर्ण कराया गया था।गौरतलब हो कि ग्राम में निजी भूमि विवाद होने के कारण यह मार्ग दो कि.मी. लम्बाई तक ही बनाया जा सका था। इस कारण यह ग्राम सम्पर्कता से वंचित रह गया है। म.प्र.ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण परियोजना के महाप्रबंधक श्री एस.पी. आर्य ने बताया कि क्रियान्वयन इकाई-विदिशा के द्वारा वर्तमान में म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण इकाई विदिशा द्वारा उक्त ग्राम कुण्डलपुर के लिये प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस-4 के अंतर्गत ओखलीखेडा से कुण्डलपुर तक डामरीकृत सड़क निर्माण हेतु चयन कर प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया है। स्वीकृति उपरांत सड़क का निर्माण कार्य कराया जायेगा।

वैकल्पिक - व्यवस्था

ओखलीखेडा से कुण्डलपुर तक पहुंच मार्ग पर फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था के लिये ग्राम पंचायत के माध्यम से मुरूम डलवाकर मार्ग को मोटरेबल कराया जा रहा है। ताकि आवागमन प्रभावित ना हों सकें।

जीवन ज्योति बीमा के आवेदन भरे

विदिशा (निप्र)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम पिपरियाजमींदार में आयोजित शिविर में बैंकर्स प्रतिनिधि भी शामिल हुए और उन्होंने हितग्राहियो खासकर बैंक खाताधारको के लिए क्रियान्वित बीमा योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर ग्राम की श्रीमती कांता बाई सहित अन्य हितग्राहियों का इंडियन बैंक के प्रतिनिधि द्वारा जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ दिलाने हेतु ग्रामवासियों के आवेदन फार्म भरवाने की प्रक्रिया मौके पर सम्पन्न कराई है।

एसएटीआई डिग्री कॉलेज में 10 दिवसीय एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण जारी

विदिशा (निप्र)। 14 एमपी बटालियन एनसीसी विदिशा द्वारा एसएटीआई डिग्री कॉलेज विदिशा में 10 दिवसीय एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है। इस कैंप में विदिशा जिले के लगभग 650 एनसीसी कैडेट्स विभिन्न तरह के प्रशिक्षण जैसे ड्रिल, मैप रीडिंग, हथियार प्रशिक्षण,फायरिंग, योग, नेतृत्व क्षमता आदि प्राप्त कर रहे हैं। वे प्रशिक्षण प्राप्त कर दिल्ली जाने का मार्ग तय कर रहे हैं। इसके साथ ही कैडेट्स को अग्निवीर भर्ती, सैन्य अधिकारी भर्ती नियमों की भी जानकारी दी जा रही है। यह कैंप 20 जून से शुरू होकर 29 जून तक चलेगा। कैंप की शुरुआत कैंप कमान अधिकारी कर्नल विकास गुप्ता शौर्य चक्र ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कैडेट्स को प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा , वातावरण को सुरक्षित रखने और अनुशासन में रहने की सीख दी। कैंप कमान अधिकारी कर्नल विकास गुप्ता शौर्य चक्र के नेतृत्व एवं लेफ्टिनेंट कर्नल सनी वैद्य की देखरेख में संचालित हो रहा है। इस दौरान कैंप में सूबेदार मेजर हृदय रंजन पी आई स्टाफ, सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के एनसीसी अधिकारी उपस्थित रहे।

शतरंज प्रतियोगिता संपन्न

हरदा (निप्र)। शतरंज के खेल प्रेमियों के लिए डिस्ट्रिक्ट चेस क्लब के तत्वावधान द फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन स्कूल में रविवार को जिला स्तरीय ओपन रैपिड चेस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में अभिषेक नायरे ने द्वितीय, आशीष कुमार यादव ने तृतीय, कोस्तुभ उपाध्याय ने चतुर्थ तथा आयुष उपाध्याय ने पंचम स्थान प्राप्त किया। वहीं 15 वर्ष से कम आयु वर्ग में प्रथम स्थान रजित चौहान, द्वितीय स्थान यश शर्मा, तृतीय स्थान तनमय रघुवंशी, चतुर्थ स्थान रामानुजन स्वामी तथा पांचवें स्थान पर ईशान तिवारी रहे।प्रतियोगिता में 15 वर्ष से कम आयु वर्ग के 91 तथा 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि प्रतियोगिता को आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास कर इसे राज्य स्तर तक ले जाने का प्रयास किया जाएगा ताकि हरदा जिले के सभी बच्चों को इसका लाभ मिल सके। उन्होने कहा कि बच्चों को शतरंज खेल के प्रति बच्चों को प्रोत्साहन करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट चेस क्लब के अध्यक्ष आलोक जैन, क्लब के सचिव पी. सी. पोतें, मिडिया प्रभारी रोहित तिवारी, कोषाध्यक्ष सत्यम बंसल, उपाध्यक्ष जय शंकर कानवा, रामनिवास जाट सहित अन्य बच्चों के माता-पिता एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

टाइप वन डायबिटीज की जांच एवं उपचार के लिए शिविर लगना प्रारंभ

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला चिकित्सालय में प्रति शुक्रवार को टाइप वन डायबिटीज से प्रभावित मरीजों की जांच एवं उपचार के लिए शिविर प्रारंभ किया गया है। यह शिविर प्रति शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से 12 तक एनसीडी क्लीनिक में लगाया जाएगा। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा संभावित मरीजों को डायबिटीज से बचाव के लिए परामर्श एवं जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही डायबिटीज पाएं जाने पर निशुल्क उपचार प्रदान किया जाएगा। डायबिटीज के लक्षण दिखाई देने पर आमजन इस शिविर में निर्धारित समय पर पहुंचकर अपनी जांच करा सकते हैं।

शिविरों में आवेदकों के सुगमता से हो रहें कार्य

विदिशा (निप्र)। मां अपनी बेटी को लेकर पहुंची शिविर में मौके पर पूरे हुए काम यह परिदृश्य विदिशा जिले में धरती आबा अभियान के तहत आयोजित शिविरों में अब सामान्य हो गया है। शिविरों से मिल रहे लाभ आवेदकों के प्रसन्नचित चेहरे और कार्य हो जाने के बाद अपने अपने घरों को लौटने पर प्रदर्शित हो रहे हैं। ऐसा ही नजारा आज बासौदा के ग्राम कंकरावदा में आयोजित शिविर में देखने को मिला है यहां 11 माह की अपनी रागिनी बिटिया को लेकर श्रीमती मालती आदिवासी पहुंची और अधिकारियों से हकपूर्वक कहने लगे कि मेरी बेटी का आधार कार्ड बनवाना है। जागरूकता का यह असर हुआ कि अविलंब आधार कार्ड बनाने की कार्रवाई दल के सदस्यों द्वारा पूरी कर प्रतिलिपि उपलब्ध कराई गई है। आदिम जाति कल्याण विभाग के शिविर प्रभारी नोडल श्री पंकज दुबे ने बताया कि शिविर स्थल पर विभिन्न विभागो के खण्ड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारियों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर लाभांवित होने के पात्रताधारी हितग्राहियों के आवेदन भरवाने की प्रक्रिया पूरी कराई गई है। जनजातीय वर्ग के उत्थान हेतु आयोजित इस शिविर में ग्राम के अन्य वर्गो के नागरिकों को भी लाभांवित किया गया है जिसमें मौके पर जहानवी को आयुष्मान कार्ड तैयार कर प्रदाय किया गया है

धरती आबा अभियान के तहत जनजातीय समुदाय बाहुल्य ग्रामों में प्रतिदिन लग रहे हैं शिविर

कलेक्टर अभियान की निरंतर कर रहे हैं मॉनिटरिंग, अभियान के तहत शिविर लगाकर 516 हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

सीहोर (निप्र)। जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के उद्देश्य से जिले में संचालित किए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत सीहोर जिले के चिन्हित 80 गांवों में 15 जून से 30 जून तक दिनांकवार शिविर लगाए जा रहे हैं।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. इन शिविरों की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन शिविरों का संचालन प्रभावी रूप से किया जाए ताकि जनजातीय समुदायों को सरकार की सभी योजनाओं और सेवाओं से जोड़ा जा सके। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 21 जून को लगाए गए शिविरों में जिले के चिन्हित गांवों के 516 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से लाभान्वित किया गया।

शिविरों में आए हितग्राहियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। अभियान के तहत जिले के चिन्हित गांवों में लगाए जा रहे शिविरों में अभी तक 2465 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा चुका है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने इस अभियान के तहत चिन्हित किए गए सीहोर जिले के 80 गांवों के जनजातीय समुदाय के नागरिकों से अभियान के तहत दिनांकवार लगने वाले शिविरों में उपस्थित होने और योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने अपील की है कि सभी पात्र हितग्राही शिविरों में उपस्थित हों और पात्रतानुसार शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ लें, ताकि जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों का भी निरंतर विकास हो सके और कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

इन योजनाओं और सेवाओं का दिया जा रहा है लाभ

शिविरों में हितग्राहियों का आयुष्मान भारत योजना, केसीसी योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृवंदना योजना, बाल आर्शीवाद योजना, तेंदूपत्ता संग्रहण एवं बोनस योजना, एकलव्य योजना, दिव्यांग पेंशन प्रोत्साहन योजना, कल्याणी पेंशन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, विश्वकर्मा योजना, पीएम सूर्यघर योजना, घरेलू कनेक्शन सब्सीडी योजना, पांच रूपये में नवीन विद्युत कनेक्शन योजना, पीएम आवास योजना सहित अनेक योजनाओं के लिए पंजीयन किया गया। पात्रतानुसार सभी पात्र हितग्राहियों को इन योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही अभियान के तहत सभी पात्र हितग्राहियों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, ई-केवायसी, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रोफाइल पंजीयन एवं बैंक खाता खोलना सहित अनेक सेवाओं के लिए पंजीयन भी किया गया।

संपादकीय

बम, बदला और बेबस इंसान...

कोई दो राय नहीं कि युद्ध हमेशा विनाश की ओर ले जाता है। दो देशों के बीच प्रतिशोध की आग बेकसूर नागरिकों को ही झुलसाती है। दुनिया ने यह दृश्य कई बार देखा है। युद्ध के उन्माद में संवेदना खत्म हो रही है। इजराइल व ईरान एक-दूसरे के ठिकानों पर हमला करने में अमानवीयता की सारी हदें लांघ रहे हैं। ईरान ने समूची नैतिकता को ताक पर रखते हुए इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बनाया है। ज्यादा दिन नहीं हुए जब इजराइल ने युद्ध के सभी नियमों को ताक पर रख कर दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े अस्पताल पर हमला कर कई लोगों को जख्मी कर दिया था। युद्ध की आग में गाजा को लगातार झुलसाने वाले इस देश को गुरुवार तड़के ठीक उन्हीं परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। कोई दो राय नहीं कि युद्ध हमेशा विनाश की ओर ले जाता है। दो देशों के बीच प्रतिशोध की आग बेकसूर नागरिकों को ही झुलसाती है। दुनिया ने यह दृश्य कई बार देखा है। सैन्य हमले के दौरान इजराइल ने कभी नहीं देखा कि वह शरणार्थी शिविरों पर बम गिरा रहा है या अस्पतालों पर।

नागरिक ठिकानों पर कितनी मौतें होंगी और बच्चों-महिलाओं तथा बुजुर्गों पर क्या गुजरेगी। उसे कभी मानवीय संवेदना की परवाह नहीं रही। दूसरी ओर इजराइल के भीषण हमले के जवाब में ईरान की सैन्य कार्रवाई से साबित हो गया कि वह भी उतना ही असंवेदनशील है। दक्षिणी इजराइल के मुख्य अस्पताल को निशाना बना कर उसने स्पष्ट कर दिया कि वह भी युद्ध नियमों को नहीं मानता। कुछ मिसाइलें इमारतों पर गिरीं, जिससे कई नागरिक घायल हो गए। ईरान के परमाणु कार्यक्रमों को अपने अस्तित्व के लिए खतरा बता कर इजराइल ने जिस तरह से उसके साथ युद्ध छेड़ा है, इसके नतीजे बेहद गंभीर हो सकते हैं। दुनिया के बड़े हिस्से में इसका असर दिख सकता है। ईरान की इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि अगर अमेरिका युद्ध में कूदा तो भीषण तबाही होगी। तेहरान खाली करने की अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकी और ईरानी नेतृत्व के बयान से लगता है कि इजराइल के साथ उसका सैन्य टकराव तीक्ष्ण रूप से बढ़ गया। यूएस ने आखिरकर ईरान की न्यूक्सियर साइट को ध्वस्त कर दिया है। स्वाभाविक है कि इस युद्ध के जख्म गहरे होंगे। इसकी कीमत वे नागरिक ही चुकाएंगे, जिनका युद्ध से कोई संबंध नहीं। न जाने कितने बच्चे अनाथ होंगे।

यह भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत है। इससे यह साफ होता है कि भारत के विरोधी देश, दूसरे देशों की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। दरअसल, यह बात तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की गत दिनों कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात हुई और आपसी द्विपक्षीय रिश्तों को पुनः पटरी पर लाने के लिए बहुत ही सकारात्मक माहौल में बात हुई। इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात को आधारभूत बताया था। इसका मतलब है कि दोनों देश पिछली बातों को भूलकर आगे बढ़ना चाहते हैं। हालांकि, भारत पिछली बातों को भूलने वाला नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच में कई रणनीतिक करार भी किये गए हैं, ताकि आपसी भरोसा और कारोबार दोनों बढ़े।

आखिर कनाडा-भारत के बीच सुधरते रिश्ते के वैश्विक मायने क्या हैं?

(कमलेश पांडे)

उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से कनाडा पर खालिस्तानी अलगाववादियों को लेकर नरम रवैया अपनाने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन अब कनाडा सरकार की इस आधिकारिक रिपोर्ट ने भारत की शिकायत को सही ठहराया है। कनाडा-भारत के बीच सुधरते रिश्ते दोनों देशों के लिए परस्पर लाभदायी हो सकते हैं, क्योंकि दोनों देश अमेरिका जैसे अंतरराष्ट्रीय महाशक्ति के निशाने पर हैं। एक ओर जहां कनाडा को अमेरिका अपने राज्य में मिलाना चाहता है, वहीं दूसरी ओर भारत को अमेरिका विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नीचा दिखाना चाहता है, ताकि उसकी वैश्विक दादागिरी बरकरार रहे। चूंकि भारत और कनाडा के रिश्तों में एक नया मोड़ आ गया है और लगभग दो साल की तनातनी के बाद, कनाडा ने एक बड़ा खुलासा किया है।

कनाडा की खुफिया एजेंसी सीएसआईएस ने स्वीकार किया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथी (आतंकवादी) भारत के खिलाफ हिंसा, प्रचार और फंड इकट्ठा करने के लिए उसकी धरती का इस्तेमाल कर रहे हैं। खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी चरमपंथी (अलगाववादी) कनाडा से भारत के खिलाफ गतिविधियां चला रहे हैं। साल 1980 के दशक से ही कनाडा स्थित खालिस्तानी चरमपंथियों ने हिंसक तरीके से पंजाब में एक स्वतंत्र सिख राज्य बनाने के लिए अभियान चलाया है।

इस रिपोर्ट में 1985 के एयर इंडिया बम धमाके का भी जिक्र है। जिससे भारत के उस दावे को बल मिला है, जिसमें वह कहता रहा है कि कनाडा आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। सीएसआईएस ने यह खुलासा किया कि पाकिस्तान, कनाडा में भारत के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहा है। यह भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत है। इससे यह साफ होता है कि भारत के विरोधी देश, दूसरे देशों की जमीन का इस्तेमाल कर रहे हैं। दरअसल, यह बात तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के पीएम मार्क कार्नी की गत दिनों कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात हुई और आपसी द्विपक्षीय रिश्तों को पुनः पटरी पर लाने के लिए बहुत ही सकारात्मक माहौल में बात हुई।

इससे पहले कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात को आधारभूत बताया था। इसका मतलब है कि दोनों देश पिछली बातों को भूलकर आगे बढ़ना चाहते हैं। हालांकि, भारत पिछली बातों को भूलने वाला नहीं है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच में कई रणनीतिक करार भी किये गए हैं, ताकि आपसी भरोसा और कारोबार दोनों बढ़े। इस हेतु राजदूतों की भी नियुक्ति कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि भारत लंबे समय से कनाडा पर खालिस्तानी अलगाववादियों को लेकर नरम रवैया अपनाने का आरोप लगाता रहा है। लेकिन अब कनाडा सरकार की इस आधिकारिक रिपोर्ट ने भारत की शिकायत को सही ठहराया है। बहरहाल, सीएसआईएस ने भी यह मान लिया है कि पाकिस्तान, कनाडा की धरती से भारत के खिलाफ जारी गतिविधियों को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। बता दें कि पीएम मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान खालिस्तानी समूहों ने उनको लेकर धमकियां देने तक की हिमाकत की थी।

ऐसे में सीधा सवाल उठता है कि क्या बिना कनाडा में उनसे सहानुभूति रखने वालों के शह और पाकिस्तान की बैकिंग के वह इतनी हिम्मत कभी जुटा पाते? इसलिए पूरक प्रश्न यही है कि जब कनाडा ने मान लिया कि पाकिस्तान-खालिस्तानियों की जुगलबंदी से उसकी धरती से भारत के खिलाफ हिंसक साजिशों को अंजाम दिया जा रहा है तो फिर उससे भारत

क्या उम्मीदें कर सकता है? यही न कि कनाडा आतंकवादियों को भारत के हवाले करे, खालिस्तानी नेटवर्क को पूरी तरह से खत्म करे और अलगाववाद को आतंकवाद माने। वहीं, इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि, भारतीय अधिकारी जिनमें उनके कनाडा स्थित प्रॉक्सी एजेंट भी शामिल हैं, वे कई तरह की गतिविधियों में शामिल हैं। उनका उद्देश्य कनाडाई समुदायों और राजनेताओं को प्रभावित करना है। इसमें दावा किया गया है कि जब ये गतिविधियां भ्रामक, गुप्त या धमकी देने वाली होती हैं, तो उन्हें विदेशी हस्तक्षेप माना जाता है। हालांकि, भारत पहले से ही कनाडाई अधिकारियों की ओर से लगाए जाने वाले इस तरह के आरोपों को खारिज करता रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कनाडा के लिए सबसे बड़ा खुफिया खतरा चीन है। रिपोर्ट में इसके अलावा पाकिस्तान, रूस और ईरान का भी नाम लिया गया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हरदीप सिंह निज्जर मामले से भारत सरकार और आपराधिक नेटवर्क के बीच संबंधों का पता चला है। इसमें कहा गया कि खालिस्तानी उग्रवाद कनाडा में भारतीय विदेशी हस्तक्षेप गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। भारत ने निज्जर की मौत में अपनी संलिप्तता से साफ इनकार किया है और कनाडा की ओर से लगाए गए हस्तक्षेप के आरोपों को भी खारिज किया है।

बता दें कि साल 2023 में ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों के संबंधों में तीखी तनातनी देखी गई थी। कनाडाई अधिकारियों ने इस हत्या को भारतीय सरकार के हस्तक्षेप से जोड़ा, जिसका भारत ने खंडन करते हुए इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताया था। भारत ने इसके जवाब में कनाडा पर खालिस्तानी चरमपंथियों को पनाह देने और उनकी गतिविधियों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

यक्ष प्रश्न है कि अब पाकिस्तान के साथ खालिस्तानियों की जुगलबंदी का क्या होगा, क्योंकि आतंकवाद पर कनाडा के कबूलनामे को भारत की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। चूंकि भारत और कनाडा के रिश्तों में बदलाव आया है, इससे खालिस्तानियों की बेचैनी बढ़ जाएगी। क्योंकि भारत ने कनाडा से साफ कहा है कि वह आतंकवादियों को सौंपे और खालिस्तानी नेटवर्क को खत्म करे। भारत ने 26 आतंकवादियों को सौंपने के लिए कहा है, जिनमें से सिर्फ 5 पर ही कार्रवाई हुई है।

उम्मीद है कि इस मामले में कनाडा अब कार्रवाई करके दिखाएगा। इनमें अर्श डल्ला का मामला भी शामिल है, जिस पर भारत में 50 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। डल्ला को कनाडा की अदालत ने जमानत भी दे दी थी। भारत ने कनाडा से यह भी कहा है कि वह भगोड़ों को गिरफ्तार करे और रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई करे। लेकिन, कई मामलों में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे भारत नाराज है। हालांकि, कार्नी के लिए यह मुश्किल है कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक सिखों को नाराज किए बगैर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करें। कारण कि वर्ल्ड सिख ऑर्गनाइजेशन जैसे संगठन कनाडा में काफी प्रभावशाली हैं। इसलिए, कनाडा के लिए आतंकवादियों पर कार्रवाई करना उतना आसान भी नहीं है। जस्टिन ट्रुडो की सरकार में तो इसीलिए ऐसे भारत-विरोधी संगठन पूरी तरह से हावी हो चुके थे। हालांकि, राजनीतिक रूप से कार्नी उनको लेकर इतने मोहताज भी नहीं हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि भारतीय मूल के कनाडाई अलगाववादी वहां बहुत बड़े वोट बैंक बन चुके हैं। फिर भी, उम्मीद की किरण बची हुई है। क्योंकि दोनों देश आतंकवाद और संगठित अपराध से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह बनाने पर बात कर रहे हैं।

दरअसल, बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का संदेश साफ है, अब और ज्यादा दोहरा रवैया किसी भी देश का नहीं चलेगा। भले ही कनाडा उदारवाद और बोलने की आजादी की बात करता है, लेकिन भारत के खिलाफ हिंसा करने वालों पर आंखें भी मूंदे नहीं रह सकता। यही वजह है कि कार्नी ने मोदी के साथ मुलाकात खत्म होते ही कहा, अभी बहुत काम करना बाकी है। भारत के लिए यह एक बड़ी जीत है कि दोनों नेताओं की सीधी मुलाकात के बाद ही कनाडा की खुफिया एजेंसी भी अब भारत के दावों को स्वीकारने लगी है। एक तरह से यह कहा जा सकता है कि यह खालिस्तान समस्या का अंत तो नहीं है, लेकिन कनाडा की धरती पर इसकी शुरुआत हो चुकी है।

स्पष्ट है कि यदि आप अमेरिका को कमजोर करना चाहते हैं तो कनाडा में आपकी स्थिति स्वाभाविक रूप से मजबूत होनी चाहिए। इससे आप अमेरिका की विभिन्न गतिविधियों पर नजर रख सकेंगे, लेकिन ऐसा आप खुल्लमखुल्ला नहीं कर सकते! बल्कि छिपे रुस्तम के तौर पर ही कर सकते हैं। प्रायः ऐसी घाती-प्रतिघाती रणनीति दुनिया के परस्पर प्रतिस्पर्धी देश अपने जासूसों और उनके नेटवर्क में शामिल लोगों के मार्फ़त बनाते-बनवाते ही रहते हैं। कुछ यही वजह है कि अमेरिका के प्रबल प्रतिद्वंद्वी देशों यथा- चीन, रूस, भारत, ईरान आदि देशों की अभिरुचि कनाडा में बढ़ चुकी है। हालांकि, कनाडा सरकार इससे सावधान भी है। स्पष्ट है कि भारत और कनाडा के बीच बदलते रिश्तों से निम्नलिखित पांच बातें स्पष्ट होती दिखाई दे रही हैं, जिनके अपने वैश्विक मायने हैं। पहला, कनाडा की खुफिया एजेंसी ने माना है कि खालिस्तानी चरमपंथी कनाडा की धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ हिंसा फैलाने के लिए कर रहे हैं। दूसरा, सिख अलगाववादी समूहों की धमकियों के बावजूद, पीएम नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा शांतिपूर्वक संपन्न हो गई, जो धमकियों पर कूटनीति की जीत करार दी जा सकती है।

फिर लहराया देश का कूटनैतिक परचम

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

समूची दुनिया में जंग के हालात पैदा होते जा रहे हैं। कहीं सत्ता के लिए गृह युद्ध की परिस्थितियां हैं तो कहीं पडोसियों के साथ संघर्ष का माहौल है। कहीं वर्चस्व की लडाई हो रही है तो कहीं अहंकार का परचम फहरा रहा है। ऐसे में व्यक्तिगत जीवन को विलासता के हिडोले पर पहुंचाने के लिए विदेशों में जाकर नौकरियां करने से लेकर शिक्षा लेने वालों की भीड अब देश के लिए संकट बनती जा रही है। स्वयं के निर्णय पर परदेश जाने वाले जब वहां संकट में घिर जाते हैं तब उनके परिजनों से लेकर विपक्षी नेताओं तक का दबाव सरकार पर डाला जाने लगता है। सुरक्षित वापसी का जिम्मा सरकार पर थोपा जाता है। इन प्रयासों में आने वाला खर्च भी टैक्सदाताओं की खून-पसीने की कमाई से चुकाया जाता है। विदेश नीति के तहत सरकार के कूटनैतिक प्रयास तेज किये जाते हैं। अतीत गवाह है कि रूस-यूक्रेन जंग में वहां से भारतीयों को निकालने में सरकार को भारी मसक्कत का सामना करना पडा था। उस दौरान नापाक धरती के वासिन्दों तक ने भारतीय झंडे की आड में सुरक्षित वापिसी की थी। उसकी पुनरावृत्ति एक बार फिर हो रही है। इजरायल-ईरान युद्ध छिड गया। वहां पर फंसे लोगों को निकालने का एक बार फिर दबाव बनाया गया। सरकार ने 'आपरेशन सिंधु' के तहत कूटनैतिक प्रयासों से लेकर निजी संबंधों तक की दुहाई दी। परिणामस्वरूप केवल भारतीयों के लिए ही ईरान से एयर स्पेस खोला। वहां के भारतीय दूतावास के माध्यम से नागरिकों को पहले अर्मेनिया और फिर कतर के रास्ते स्वदेश लाया गया था किन्तु अब ईरान की महन एयर की चार्टेर्ड प्लाइट्स का उपयोग किया जा रहा है। अभी तक तीन चरणों में लोगों की वतन वापिसी हुई है।

दहशत के माहौल से वापिस आने वालों ने देश में पहुंचते ही सरकार को सुख-सुविधाओं की सूची पकडा दी। घरों तक पहुंचने के लिए बसों से यात्रा नहीं करेंगे, हवाई यात्रायें उपलब्ध कराई जायें, आरामदायक विश्राम हेतु आवास दिया जाये, मनचाहा भोजन कराया जाये। जम्मू-कश्मीर स्टूडेन्ट्स एसोसिएशन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर ईरान से सुरक्षित वापिस लाये गये छात्रों की चार दिन की यात्रा को थकाऊ बताया तथा उन्हें बसों के स्थान पर हवाई यात्रा उपलब्ध कराने की मांग की। वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने तो सरकार पर वापिस आये लोगों के पुनर्वास तथा पढाई का जुम्मा तक थोप दिया। वंशानुगत चलने वाले कुछ राजनैतिक दलों के कद्दावर नेताओं और राष्ट्रविरोधी अभियानों का कथित नेतृत्व करने वाले संगठनों व्दारा मानवता, स्वाधीनता और अधिकार के नाम पर अशान्ति फैलाने के लिए हमेशा से ही प्रयास किये जाते रहे हैं। कभी जातिवाद का जहर घोला जाता रहा है तो कभी सम्प्रदायवाद की बारूद सुलगाई गई। कभी भाषा को मुद्दा बनाया तो कभी क्षेत्रवाद की खाई चौडी की गई। सकारात्मक परिणामों पर भी लाल स्याही फैलाने वाले लोग तो सीमापार बैठे अपने आकाओं के इशारों पर पूर्ववत विष वमन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कश्मीर से हिन्दुओं को भगाने वाले कट्टरपंथी परिवारों के हजारों छात्र वर्तमान में तेहरान, शीराज और कुम जैसे शहरों की शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लिए हुए हैं। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार वहां के उरमिया विश्वविद्यालय सहित अनेक संस्थान कट्टरता के लिए कुख्यात हैं जिनमें तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ मजहबी तालीम के नाम पर जेहाद की ट्रेनिंग भी दी जाती है। देश में सक्रिय अनेक आतंकवादी संगठन अपने युवा सदस्यों को पढाई के नाम पर ईरान जैसे देशों में भेजकर प्रशिक्षिण दिलवाते हैं। वहां पर अत्याधुनिक हथियारों को चलाने, घातक बम बनाने तथा साइबर उपकरणों की प्रयोगात्मक शिक्षा दी जाती है। एक्सपोजर विजिट के नाम पर अन्य कट्टरपंथी देशों की यात्रायें भी करायी जातीं हैं जहां आतंकी संगठनों के उनका सीधा सम्पर्क हो जाता है। एक ओर देश के अन्दर राष्ट्रद्रोहियों की गतिविधियां सुनियोजित षडयंत्र के तहत चल रहीं है वही दूसरी ओर वर्तमान परिस्थितियों में भारत की विदेश नीति, कूटनीति और व्यवहारिक नीति दुनिया भर में चर्चा का विषय बनी हुई है। जहां इजरायल-हमास, इजरायल-ईरान और रूस-यूक्रेन जैसे युद्ध लम्बे समय से चल रहे हैं वहीं भारत ने पाकिस्तान को चन्द घंटों में ही सबक सिखाकर अपना परचम फहरा दिया। दुनिया के चौधरी बनने का सपना सजोने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आइना दिखाया। उनकी मध्यस्थता वाली घोषणा को सिरे से नकारा। उनके आमंत्रण को पूर्व निर्धारित व्यस्तताओं का हवाला देकर अपना इरादा जाहिर कर दिया। ऐसा ही संकेत तुर्किये को दिया। उसके शत्रु देश साइप्रस की देश के प्रधानमंत्री ने चौंकाने वाली यात्रा की। वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ एक छत से पहाडियों को निहार कर वहां की विवादास्पद धरती के प्रति अपनी नीति उजागर कर दी। वैश्विक स्तर पर भारत की उभरती छवि से जहां अनेक विकसित राष्ट्रों के सीने पर सांप लोट रहे हैं वहीं उन राष्ट्रों के लिए काम करने वाले मीरजाफरों की जमातें आन्तरिक कलह के लिए देश के अन्दर धरातल तैयार करने में जुटीं हैं। चन्द सिक्कों, झूठे सम्मान और खोखले दबदबे के लालच में जमीर का सौदा करने वाले लोग तो सरकार के प्रत्येक कार्य को नकारात्मकता के लबादे में ढककर पेश करने से बाज नहीं आ रहे हैं। वर्तमान में ईरान से लौटे कश्मीरी छात्रों व्दारा पैदा किया गया घटनाक्रम इसी मानसिकता की एक और बानगी है।

श्रम शक्ति के समक्ष बढ़ते तापमान का संकट

'लेबरिंग थ्रू द क्लाइमेट क्राइसिस' नाम से एक रिपोर्ट वर्कर्स कलेक्टिव फॉर क्लाइमेट जस्टिस - साउथ एशिया और ग्रीनपीस इंडिया ने तैयार की है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की गर्मी से जुड़ी चिंताओं पर रोशनी डालती है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की आमदनी में 19 फीसदी की कमी आती है और भीषण गर्मी उन्हें कठिन विकल्पों में से चुनाव करने को मजबूर करती है। यानी या तो वो खुद को सुरक्षित करने का जतन करें या आजीविका कमाएं। इस रिपोर्ट में ये भी रेखांकित किया गया है कि गर्मी सिर्फ़ आजीविका पर ही असर नहीं डालती बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है जिसे आज चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। देखा जाए तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा इम्तिहान ले रहा है जो कड़ी धूप और खुले आकाश तले पसीना बहाने को मजबूर हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ की एक रिपोर्ट, 'कार्यस्थल पर गर्मी- सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए निहितार्थ' में पाया गया है कि गर्मी एक मूक हत्यारा है जो दुनिया भर में बढ़ती संख्या में श्रमिकों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए खतरा बन रही है। भारत मई से ही हीटवेव का सामना कर रहा है। उत्तर भारत के कई राज्यों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग प्रति दशक 0.26 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रही है। शहरों में जब लोग एसी के रिमोट से टेंपरेचर ऊपर-नीचे कर रहे होते हैं, उसी दौरान मजदूर कहीं खेत या किसी घर की दीवारों की ईंट उठाते हुए पसीना बहा रहे होते हैं। इस धधकते, तपते मौसम में औद्योगिक, निर्माण से लेकर रेस्तराओं और गोदामों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कार्य करना आसान नहीं है। हालांकि सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए है। देश की करीब 90 फीसदी श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी है। ज्यादातर मामलों में इन श्रमिकों को चिलचिलाती धूप, बारिश, आंधी-तूफान के बीच खुले में काम करना पड़ता है। उनके लिए न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। ऐसे में इन किसानों, श्रमिकों को हर दिन अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए खतरों से दो-चार होना पड़ता है। थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वाटर यानी सीईईडब्ल्यू ने मई 2025 में एक स्टडी प्रकाशित की, जिससे पता चलता है कि भारत के 57 फीसदी ज़िले, जिनमें देश की लगभग 76 फीसदी आबादी रहती है, मौजूदा समय में भयानक गर्मी की चपेट में हैं।

'लेबरिंग थ्रू द क्लाइमेट क्राइसिस' नाम से एक रिपोर्ट वर्कर्स कलेक्टिव फॉर क्लाइमेट जस्टिस - साउथ एशिया और ग्रीनपीस इंडिया ने तैयार की है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की गर्मी से जुड़ी चिंताओं पर रोशनी डालती है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की आमदनी में 19 फीसदी की कमी आती है और भीषण गर्मी उन्हें कठिन विकल्पों में से चुनाव करने को मजबूर करती है। यानी या तो वो खुद को सुरक्षित करने का जतन करें या आजीविका कमाएं। इस रिपोर्ट में ये भी रेखांकित किया गया है कि गर्मी सिर्फ़ आजीविका पर ही असर नहीं डालती बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है।

वन अर्थ द्वारा 2022 में 68 देशों में किए गए अध्ययन जिसका शीर्षक राइजिंग टेम्परेचर इरोड ह्यूमन स्लीप है, के अनुसार विश्व स्तर पर लोगों की नींद प्रभावित हुई, जिससे पता चला है कि गर्म तापमान की वजह से लोग कम नींद ले पाते हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और कम आय वाले देशों के लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। 2099 तक, बढ़ता तापमान एक साल में प्रति व्यक्ति की 50-58 घंटे की नींद कम कर सकता है। गर्मी की वजह से मजदूर दिन भर काम नहीं कर पा रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। आइएलओ की 2019 की रिपोर्ट 'वर्किंग ऑन ए वार्मर प्लेनेट-द इम्पैक्ट ऑफ़ हीट स्ट्रेस ऑन लेबर प्रोडक्टिविटी एंड डिसेंट वर्क' में चेतावनी दी गई है कि भारत में हीट स्ट्रेस के कारण 2030 में 5.8 प्रतिशत काम के घंटे कम होने की उम्मीद है। अपनी बड़ी आबादी के चलते देश 2030 में 3.4 करोड़ लोगों को अपनी नौकरियां खोनी पड़ सकती हैं। विश्व बैंक की 2022 की एक और रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2030 तक, पूरे भारत में सालाना 16 से 20 करोड़ से ज्यादा लोगों के घातक गर्मी की चपेट में आने की संभावना है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 2000-2004 और 2017-2021 के बीच भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में 55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। गर्मी की चपेट में आने से 2021 में भारतीयों के बीच 167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे का नुकसान हुआ। इसकी वजह से देश की जीडीपी के लगभग 5.4 प्रतिशत के बराबर आय का नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय शहर जलवायु पैटर्न में होने वाली तब्दीलियों के प्रति तेजी से संवेदनशील होते जा रहे हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बड़ा खतरा है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामासुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे। जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है जिसे आज चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। देखा जाए तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा इम्तिहान ले रहा है जो कड़ी धूप और खुले आकाश तले पसीना बहाने को मजबूर हैं। इसकी पुष्टि अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने अपनी नई रिपोर्ट 'इंश्योरिंग सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क इन चेंजिंग क्लाइमेट' में भी की है। रिपोर्ट का कहना है कि अपने जीवन में काम के दौरान किसी न किसी मोड़ पर 241 करोड़ श्रमिकों को भीषण गर्मी का सामना करने को मजबूर होना पड़ेगा। इसका मतलब है कि दुनिया के 71 फीसदी श्रमिक या तो बढ़ते तापमान की वजह से गर्मी की मार झेल रहे हैं या उन्हें अपने काम के दौरान कभी न कभी इसका सामना करना पड़ेगा। एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एनडीएमए के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके। बहरहाल बीते कई वर्षों से प्रशासन ने मौसम की चरम स्थितियों में नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन-ऐसे तपतपाए दिनों में दोपहर 12.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक खुले में काम कराने पर रोक लगाई गई है।

सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन
रोग की जड़ तक पहुंचाने का पेशा

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन को ही सोनोग्राफर कहा जाता है। पैरामेडिकल क्षेत्र के ये पेशेवर कुछ विशेष उपकरणों की मदद से मरीजों के रोगग्रस्त अंगों की तस्वीरें लेते हैं। सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स (उच्च फ्रिक्वेंसी वाली ध्वनि तरंगें) उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

इसी तरह इस प्रक्रिया को संपन्न करने वाले पेशेवरों को सोनोग्राफर कहा जाता है। जिन सोनोग्राफरों के पास इमेजिंग और रक्त शिराओं का टेस्ट करने में विशेषज्ञता होती है, उन्हें वस्कुलर टेक्नोलॉजिस्ट कहा जाता है। सोनोग्राफी की जरूरत रोगी के शरीर (खासकर रोगप्रभावित अंग) को अंदर से देखने की यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें शरीर के साथ किसी भी तरह की चीर-फाड़ करने की जरूरत नहीं होती। सोनोग्राफी की इस खासियत के कारण इसका इस्तेमाल शरीर के कई अंगों मसलन पेट, स्तन, हृदय, रक्त नलिकाओं, प्रजनन संबंधी अंगों और पौरुष ग्रंथि आदि की जांच के लिए किया जाता है।

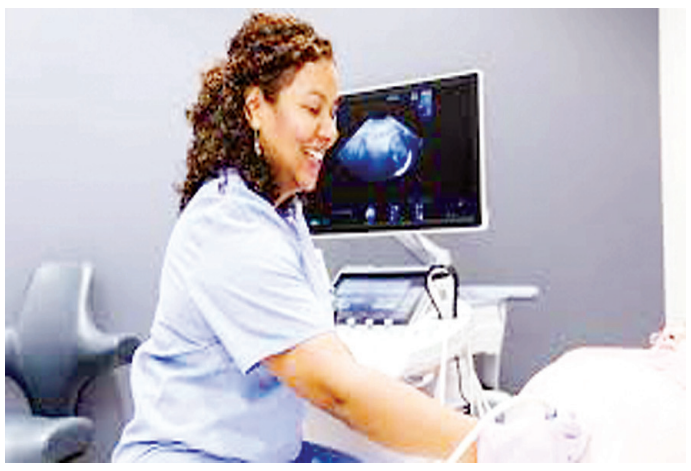

हृदय रोगों, हृदयाघात और नाड़ी संबंधी रोगों की पहचान और उनके उपचार में सोनोग्राफी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। यही नहीं कैंसर की जांच के लिए होने वाले बायोप्सी टेस्ट में भी सोनोग्राफी मददगार साबित हो रही है। कैंसर की आशंका वाले अंग में बीमारी का पता लगाने के लिए एक बारीक सुई की सहायता से संबंधित अंग से कोशिकाओं (सेल) का थोड़ा-सा नमूना लिया जाता है, जिसकी बाद में प्रयोगशाला में जांच की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान जब सुई को शरीर में प्रवेश कराया जाता है, तब सोनोग्राफी के माध्यम से ही देखा जाता है कि सुई तय स्थान पर पहुंच रही है या नहीं। स्पेशलाइजेशन के क्षेत्र (सोनोग्राफी में) ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिक सोनोग्राफी एब्डोमिनल सोनोग्राफी (लीवर, किडनी, गालब्लैडर और पैनक्रियाज) न्यूरोसोनोग्राफी (मस्तिष्क) ब्रेस्ट सोनोग्राफी वस्कुलर सोनोग्राफी (ब्लड वेसल्स) कार्डियक सोनोग्राफी (हर्ट) सोनोग्राफर का काम अस्पताओं, नर्सिंग होम और तमाम छोटे-बड़े चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफर को नियुक्त किया जाता है। वहां वह अपने नियोक्ता संस्थान की जरूरत के अनुसार डायग्नोस्टिक इमेजिंग डिपार्टमेंट, ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू (इंटेंसिव केअर यूनिट) आदि में डॉक्टरों और नर्सो के साथ काम करना होता है। उनके काम का मुख्य हिस्सा होता है,

सोनोग्राफी के लिए उपकरणों को व्यवस्थित करना और मरीजों को सही पोजिशन में आने के लिए निर्देशित करना, ताकि बेहतर जांच रिपोर्ट मिल सके। इसके अलावा वह सोनोग्राफी के दौरान स्क्रीन पर यह भी देखते हैं कि रोगी के जिस अंग का चित्र (इमेज) लिया गया है, उससे रोग की पहचान संभव होगी या नहीं। वह लिए गए कई चित्रों में से उन्हीं चित्रों को अंतिम रूप से चुनते हैं, जिनके आधार पर डॉक्टर मरीज में रोग के होने या न होने के निष्कर्ष तक पहुंच सकें। सोनोग्राफर को अपने मूल कार्यो के अलावा कुछ अतिरिक्त कार्य भी करने होते हैं। इनमें रोगियों के रिकॉर्ड को रखना, उपकरणों का रख-रखाव और मरीजों को जांच के लिए समय देना आदि शामिल होता है। कई बार उन्हें पूरे डायग्नोस्टिक इमेजिंग विभाग के प्रबंधन संबंधी कार्यो को भी देखना होता है।

योग्यता

देश के कई शिक्षण संस्थानों में सोनोग्राफी के पाठय़क्रमों का संचालन हो रहा है। यहां से सर्टिफिकेट से लेकर बैचलर डिग्री तक हासिल की जा सकती है। सोनोग्राफर बनने के लिए संबंधित विषय क्षेत्र में कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स पास होना जरूरी है।

जरूरी गुण

- निरीक्षण करने की बेहतर दृष्टि
- अच्छा संवाद कौशल
- मरीजों के प्रति नरम रवैया
- लंबे समय तक काम करने की शारीरिक क्षमता
- अपने क्षेत्र की नई तकनीकों की जानकारी धैर्य और सहनशीलता
- रोगियों का विश्वास जीतने का हुनर

चुनौतीपूर्ण पेशा है मसाज थेरेपिस्ट

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के लिए खुलकर सांस ले पाना भी मुश्किल हो गया है। बढ़ती स्पर्धा के कारण कम या ज्यादा तनाव का रहना भी रोजमर्रा की बात हो गई है। दैनिक जीवन से जुड़ी इन थका देने वाली समस्याओं से पार पाने के लिए लोग नए उपायों को तलाश रहे हैं। मसाज ऐसा ही एक उपाय है, जो व्यक्ति को आराम पहुंचाकर उसे फिर से ऊर्जा से भर देता है। अगर आप उपचार की वैकल्पिक पद्धतियों में विश्वास करते हैं और अपने हाथों से काम करने में खुशी महसूस करते हैं, तो आप मसाज थेरेपिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं।

मसाज की शुरुआत

उपचार की एक विधा के रूप में मसाज के प्रयोग का आरंभ जिन परंपराओं और तकनीकों से हुआ, उनके प्रमाण प्राचीन इतिहास में मिलते हैं। भारत में मसाज थेरेपी की शुरुआत करीब तीन हजार ईसा पूर्व में हुई थी। आधुनिक समय में मसाज के लाभकारी प्रभावों को नए सिरे से तलाशा जा रहा है। मसाज थेरेपी की उपयोगिता के कारण इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस वजह से वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाओं पर आधारित उद्योग क्षेत्र (वेल्नेस इंडस्ट्री) के दायरे में भी वृद्धि हुई है। नतीजा पेशेवर मसाज थेरेपिस्टों की मांग भी पैदा हो रही है।

पेशे के रूप में मसाज थेरेपिस्ट के काम को देखें, तो यह एक ऐसा कार्य है, जो अच्छी कमाई के साथ-साथ क्लाइंट (मसाज कराने वाले) से दुआएं और शुभकामनाएं पाने का मौका देता है। लोग किसी मसाज थेरेपिस्ट के पास इसलिए जाते हैं, ताकि वह तनाव और चिंता से मुक्त होकर शारीरिक और मानसिक सुकून हासिल कर सकें। उम्मीद के मुताबिक मसाज थेरेपिस्ट की सेवा का लाभ मिलने पर क्लाइंट खुद को इतना आनंदित महसूस करते हैं कि संबंधित थेरेपिस्ट के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त करने लगते हैं।

मसाज थेरेपिस्ट का कार्य

मसाज के दौरान उंगुलियों, हथेलियों और कोहनी का इस्तेमाल करके क्लाइंट के शरीर की मालिश की जाती है। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है, तंत्रिकाओं की सक्रियता बढ़ती है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। इन लाभों की वजह से ही मसाज थेरेपी का प्रयोग तनाव, थकान, पुरानी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण शरीर को पहुंची चोटों के ईलाज में किया जाता है। मसाज थेरेपिस्ट अपना काम शुरू करने से पहले मसाज के लिए आने वाले मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री, खानपान और जीवनशैली से जुड़ी आदतों का अध्ययन करते हैं। फिर अपने निष्कर्षो के आधार पर थेरेपिस्ट संबंधित क्लाइंट के लिए उपचार की एक योजना (ट्रीटमेंट प्लान) तैयार करते हैं। क्लाइंट के शारीरिक लक्षणों और उपचार के प्रभाव को देखते हुए वह उपचार योजना में बदलाव भी करते हैं। मसाज के लिए थेरेपिस्ट कई तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। कभी वह क्लाइंट के तनाव को कम करने के लिए मसाज के दौरान शरीर के कुछ भागों पर अतिरिक्त दबाव देते हैं, तो कभी खास औषधीय गुण वाले तेलों का प्रयोग करते हैं। रोग की प्रकृति के अनुसार मसाज थेरेपी की अवधि भी अलग-अलग होती है। यह कुछ महीने से लेकर सालभर तक हो सकती है। उपचार के बाद थेरेपिस्ट अपने क्लाइंट को बेहतर दिनचर्या

और स्वास्थ्य के लिए जरूरी सलाह भी देते हैं। वह क्लाइंट के स्वास्थ्य और उपचार से संबंधित विस्तृत रिकॉर्ड भी रखते हैं, जो जरूरत के समय क्लाइंट के डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट के लिए मददगार साबित होते हैं। यह पेशा काम के लंबे घंटों की मांग करता है। क्लाइंट की आवश्यकता और उनकी संख्या के अनुसार लगातार घंटों तक काम करना पड़ सकता है। कई बार साप्ताहिक अवकाश और शाम के समय भी काम करना पड़ जाता है। आमतौर पर किसी एक क्लाइंट के मसाज पर 45 मिनट से दो घंटे तक का वक्त देना पड़ता है। समय की यह अवधि क्लाइंट की चिकित्सकीय जरूरत पर निर्भर करती है।

रोजगार के अवसर

मसाज थेरेपिस्ट को स्पा, ब्यूटी सलून, हॉलिस्टिक हेल्थ क्लिनिक, फिटनेस सेंटर में नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा उन्हें खिलाड़ियों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए खेल टीमों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी रखा जाता है। नौकरी करने का मन न होने पर मसाज थेरेपिस्ट स्वतंत्र रूप से भी काम कर सकते हैं। अपनी इस भूमिका में वह क्लाइंट के घर जाकर या उसके कार्यस्थल पर पहुंचकर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

मसाज के हैं कई प्रकार

» अरोमाथेरेपी मसाज »थाई मसाज >हॉट स्टोन मसाज
» आयुर्वेदिक मसाज » रिफ्लेक्सोलॉजी शिअत्सु

आसान नहीं चॉकलेट-टेस्टर का जॉब

सोचिए, अगर हर दिन आपको चॉकलेट टेस्ट करने को मिले और इसके लिए आपको पैसा भी मिले, तो कितना मजा आए! चॉकलेट टेस्टर ऐसे ही प्रोफेशनल होते हैं, जिनका काम अलग-अलग फ्लेवर के चॉकलेट्स को चखना होता है। खाने की कोई चीज टेस्ट करना स्वाद के शौकीनों के लिए हमेशा से आकर्षक होता है। ऐसे में, जिन्हें चॉकलेट से लगाव है, वे चॉकलेट टेस्टर के रूप में करियर संवार सकते हैं।

हालांकि चॉकलेट टेस्टर सिर्फ चॉकलेट का स्वाद ही नहीं जांचता, वह विभिन्न कैंडीज की जांच भी करता है कि उनमें चॉकलेट की कोटिंग की चमक-दमक सही है या उसमें किसी तरह की दरार तो नहीं है। साथ ही, वह चॉकलेट की महक को भी चेक करता है। टेस्टर चॉकलेट की बाइट लेकर कुछ सेकंड के लिए मुंह में रखता है और घुलने के देकर उसका पूरा फ्लेवर लेता है। वह इस बात को भी सुनिश्चित करता है कि घुलने के बाद चॉकलेट पूरे मुंह में फैल जाती हो, सिर्फ एक तरफ न रहती हो। मगर यह इतना टेस्टी मामला भी नहीं होता। चॉकलेट टेस्टर को कई बार खराब चॉकलेट भी टेस्ट करना पड़ जाता है!

कई बार टेस्टर दिन भर किसी छोटे-से कमरे में बंद रहता है और वहां लाल लाइट जलती रहती है, ताकि उसे चॉकलेट की पहचान न हो पाए और वह सही मूल्यांकन कर सके। एख टेस्टर को दिन भर में 25 से 30 तरह के चॉकलेट टेस्ट करने पड़ सकते हैं। सोचिए, जीभ की क्या हालत होती होगी! चॉकलेट टेस्टिंग वास्तव में एक कला है, जो नियमित अभ्यास मांगती है। इसके बाद ही कोई इसमें कुशलता हासिल कर सकता है।चॉकलेट एक ऐसा उत्पाद है, जिसका बाजार कभी खत्म नहीं हो सकता। चॉकलेट टेस्टिंग अब एक बेहतर प्रोफेशन का रूप ले चुका है। अगर आप चॉकलेट टेस्टर बनना चाहते हैं, तो आपको कुछ स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग हासिल करनी होगी। किसी संस्थान से कोर्स करने के बाद आप किसी एक्सपर्ट चॉकलेटियर के साथ ट्रेनी के रूप में जुड़ सकते हैं, ताकि इस फील्ड में और अनुभव हासिल हो। इसके बाद आप किसी चॉकलेट प्रोडक्शन कंपनी में जॉब कर सकते हैं।

स्किल – उम्मीदवार को चॉकलेट के फ्लेवर, टेक्सचर, वह कैसे मेल्ट, मोल्ड और टैम्पर होती है, इसकी जानकारी होनी चाहिए। उसके पास बेसिक कुकिंग स्किल तथा धैर्य होना चाहिए। साथ ही उसे खुले दिमाग का होना चाहिए। उसे बारीकी पर ध्यान देना आना चाहिए। अपने काम के प्रति पैशन होना बहुत जरूरी है।

कोर्स – भारत में चॉकलेट टेस्टर के लिए स्पेशलाइज्ड कोर्स चलाने वाले कुछ ही संस्थान हैं। इन कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है। वैसे अब ग्रेजुएशन के बाद किए जाने वाले कई कोर्स भी उपलब्ध हैं। 12वीं के बाद आप न्यूट्रिशन एंड फूड टेक्नोलॉजी या अप्लाइड साइंस इन फूड टेक्नोलॉजी का कोर्स कर सकते हैं, जिसके तहत चॉकलेट के सिलेक्शन, प्रिजर्वेशन, प्रोसेसिंग, पैकेट डिस्ट्रिब्यूशन, न्यूट्रिशन आदि की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज के तहत विद्यार्थी को योरप, अमेरिका आदि की चॉकलेट्स की विभिन्न वैरायटी, चॉकलेट का इतिहास, कोको बीन्स, टेस्टिंग, चॉकलेट के एडेड फ्लेवर्स, डिपिंग, टेम्परिंग, मोल्डिंग, डेकोरेटिंग आदि की जानकारी दी जाती है।

सैलरी – शुरूआती दौर में चॉकलेट टेस्टर को 20,000 रुपए महीने की सैलरी मिल सकती है। उसके बाद अनुभव एवं काम के आधार पर यह बढ़ती जाती है। अगर विदेश जाते हैं, तो और भी अच्छी आमदनी कर सकते हैं।

गुनेबो के नवीनतम सेफ स्टोरेज सॉल्यूशंस प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन

भोपाल। फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध ब्रांड गुनेबो ने भोपाल के कान्हा फन सिटी में आयोजित ज्वैलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन की दो दिवसीय वार्षिक बैठक (21-22 जून) में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में गुनेबो सेफ स्टोरेज को अपने नवीनतम सुरक्षा उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिला, जो विशेष रूप से ज्वैलर्स समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं। इस बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में शिवराज सिंह चौहान, कृषि एवं किसान कल्याण केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार उपस्थित थे। अन्य प्रमुख अतिथियों में नरेंद्र शिवाजी पटेल, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, मुकेश

तंडन, विधायक, विदिशा, पंकज अरोड़ा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एआइजेजीएफ एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री कैट और नितिन केडिया, राष्ट्रीय महासचिव, एआइजेजीएफ शामिल रहे। इस दो दिवसीय आयोजन में 1500 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें प्रदेश भर के ज्वैलर्स, व्यापारिक प्रतिनिधि, और सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दो दिवसीय आयोजन में गुनेबो टीम ने सेफ स्टोरेज सॉल्यूशंस की अपनी नवीनतम श्रृंखला का प्रदर्शन किया, जिसमें भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणित तिजोरियाँ, स्ट्रांग रूम डोर्स और इलेक्ट्रॉनिक हाई सिक्योरिटी लॉक शामिल थीं। गुनेबो की ओर से जनरल मैनेजर, चैनल सेल्स (वेस्ट रीजन) प्रकाश कुमार ने गुनेबो प्रोडक्ट्स की विस्तृत प्रेजेंटेशन दी, उन्होंने उपस्थित सदस्यों को गुनेबो के नए उत्पादों की जानकारी दी और इनके उपयोग व लाभों पर चर्चा की। गुनेबो की अन्य टीम से संदीप हांडा – सेल्स मैनेजर, संजीव दास ङ्क डीजीएम गुनेबो सेफ स्टोरेज, और चैनल पार्टनर साईं ट्रेड लिंक से विकाश शर्मा और धर्मेंद्र शुक्ला उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनिर्बान मुखुति, हेड मार्केटिंग एंड प्रोडक्ट मैनेजमेंट, एशिया गुनेबो सेफ स्टोरेज ने कहा, मध्य प्रदेश ज्वैलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में शामिल होकर बेहद खुशी हुई। ऐसे मंच हमारे लिए सिर्फ प्रोडक्ट्स दिखाने का मौका नहीं होते, ये हमें सीधे ज्वैलर्स से जुड़ने और उनकी ज़रूरतों को समझने का अवसर भी देते हैं।

रिवर्स मॉर्गेज: घर को बनाएं कमाई का जरिया

इस योजना के एवज में बैंक एकमुश्त या हर महीने एक निश्चित रकम देता है

नई दिल्ली, एजेंसी। परिवार अब छोटे होते जा रहे हैं। बच्चों के अलग रहने पर कई ऐसे बुजुर्ग मिल जाएंगे, जिनकी माली हालत खराब है और उनके पास कमाई का कोई जरिया नहीं है। हालात तब और बदतर हो जाते हैं, जब पति-प प्रतिशती घर में अकेले ही रहते हैं। परिवार में उनका ख्याल रखने वाला कोई नहीं होता। दरअसल, अधिकांश लोगों के पास रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का साधन नहीं होता। जिन लोगों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन मिलती है, उन्हें तो वित्तीय सुरक्षा मिल जाती है, लेकिन कई बार स्वास्थ्य संबंधी कुछ आपात जरूरतों के लिए वह भी नाकाफी साबित होती है। ऐसे

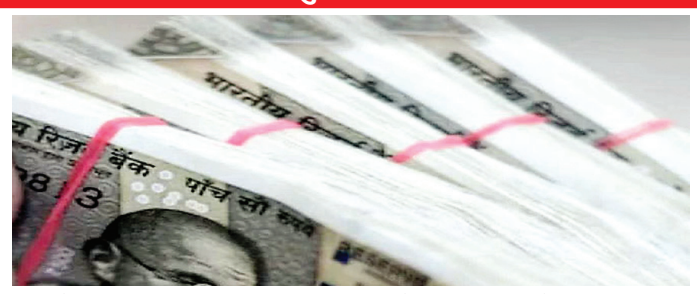

लोगों के लिए रिवर्स मॉर्गेज स्कीम अच्छा विकल्प साबित हो सकती है।

यह योजना सामान्य होम लोन के एकदम उलट है। इसमें आपको किस्तें देने की बजाय आपके घर की कीमत के आधार पर किस्तें मिलती हैं, जो मासिक, तिमाही या वार्षिक हो सकती हैं। योजना के तहत अधिकतम मासिक भुगतान की किस्त 50,000 रुपये तक हो सकती है। आप पात्रता की 50 फीसदी तक राशि एकमुश्त भी ले सकते हैं, जो अधिकतम 15 लाख रुपये हो सकती है। रिवर्स मॉर्गेज से मिलने वाली राशि का उपयोग सिर्फ वास्तविक जरूरतों जैसे चिकित्सा आपात स्थिति, रोजमर्रा के खर्च, घर की मरम्मत, नवीनीकरण या उसी संपत्ति पर लिए गए होम लोन के पुनर्भुगतान के लिए कर सकते हैं।राशि का इस्तेमाल निवेश के लिए नहीं किया जा सकता। आसान भाषा में समझें तो जब हम बैंक से होम लोन लेते हैं तो प्रॉपर्टी खरीदने के लिए वह एकमुश्त राशि देता है। इसके एवज में वह प्रॉपर्टी के कागज अपने पास रख लेता है।

रिवर्स मॉर्गेज की प्रमुख शर्तें...

व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष या अधिक होनी चाहिए और वह उस संपत्ति का मालिक होना चाहिए, जिसमें वह रहता हो। संपत्ति खुद की खरीदी हुई होनी चाहिए। यानी विरासत या उपहार में मिली संपत्ति पर यह लोन नहीं मिलेगा। प्रॉपर्टी की बची हुई उम्र न्यूनतम 20 साल होनी चाहिए।

दंपती योजना का लाभ लेना चाहते हैं, तो पति या प प्रतिशती की उम्र कम से कम 60 वर्ष और दूसरे की 55 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। संपत्ति उनके नाम पर होनी चाहिए।

किराये पर दी गई या व्यावसायिक संपत्ति पर रिवर्स मॉर्गेज लोन नहीं मिलता। संपत्ति पर पहले से कोई लोन है, तो उसे चुकाने के बाद ही इसका लाभ ले सकते हैं।

14 के पावर शेयर शेयर को खरीदने की लूट, लगातार तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। रतन इंडिया पावर के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रह सकते हैं। बीते शुक्रवार को इसमें 13 प्रतिशत तक की तेजी थी और यह 14.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। महीनेभर में यह शेयर 30 प्रतिशत तक चढ़ा है। बता दें कि जून महीने के शुरुआत में कंपनी के शेयरों भारी खरीदारी देखी गई थी, तब कंपनी को बीएसई को जवाब देना पड़ा था। एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने शेयर प्राइस में उतार-चढ़ाव पर कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब में कंपनी ने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि कंपनी को अपने शेयरों के ट्रेडिंग वॉल्यूम में हाल ही में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी के किसी भी कारण की जानकारी नहीं है। मूल्य और वॉल्यूम में उतार-चढ़ाव पूरी तरह से बाजार द्वारा संचालित है।

गोदरेज भारत में सुरक्षा समाधानों के लिए बना हुआ है पसंदीदा ब्रांड

शहरी इलाकों में 15प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी का लक्ष्य

- प्रमाणित सुरक्षा समाधानों, नवोन्मेष और स्मार्ट प्रौद्योगिकी के ज़रिये उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा दिया जा रहा
- वित्त वर्ष 2025 में 1200 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने वित्त वर्ष '25 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1200 करोड़ रुपये से अधिक की आय दर्ज की, जिससे सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत हुई। व्यवसाय ने वित्त वर्ष '26 में 15 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है, जो भारत के तेज़ी से बदलते शहरी और उपनगरीय बाज़ार खंडों से बढ़ती मांग से प्रेरित है, जहां सुरक्षा की ज़रूरतें तेज़ी से परिष्कृत हो रही हैं। यह वृद्धि नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी एकीकरण और ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित होगी। आधुनिक भारतीय उपभोक्ता अब केवल सुरक्षा उत्पाद के प्रति ही नहीं बल्कि डिजाइन के प्रति जागरूक घर के मालिक, टेक्नोलॉजी-प्रेमी माता-पिता, महिला निर्णयकर्ता और विश्वास तथा पारदर्शिता चाहने वाले व्यवसाय के मालिक भी हैं। गोदरेज इन उभरते व्यक्तित्वों की ज़रूरत समझकर ऐसे सुरक्षा समाधान बनाना चाहती है जो न केवल सुरक्षा करें बल्कि उनके जीवन से सहजता से जुड़ें भी।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय के बिज़नेस हेड, श्री पुष्कर गोखले ने इस दृष्टिकोण के बारे में कहा, आज उपभोक्ता केवल सुरक्षा ही नहीं चाहते हैं, वे स्मार्ट, सहज और विश्वसनीय सुरक्षा समाधान चाहते हैं जो उनके जीवन के अनुकूल हों। गोदरेज में, हमारा लक्ष्य सुरक्षा से परे जाकर लोगों और संस्थानों को ऐसी टेक्नोलॉजी से सशक्त बनाना है जो विश्वास, सुविधा और मन की शांति दे। हमारा वित्त वर्ष '25 का प्रदर्शन न केवल हमारे नवोन्मेष को बल्कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अर्जित गहरे विश्वास को भी दर्शाता है। वित्त वर्ष '26 में आगे बढ़ते हुए हमारा ध्यान हर सुरक्षा टचपॉइंट में इंटेलिजेंस, अनुपालन और सहजता को शामिल करने पर होगा। गोदरेज की वित्त वर्ष '25 की सफलता प्रमुख उत्पाद नवोन्मेष से रेखांकित होती है, जो उपभोक्ताओं और व्यवसायों की उभरती ज़रूरतों को पूरा करती हैं। भारत की पहली स्वदेशी फॉगिंग सुरक्षा प्रणाली स्मार्टफॉग के लॉन्च ने वास्तविक समय के आधार पर सेंधमारी को विफल करने के लिए सक्रिय टेक्नोलॉजी पेश की।

अनिल अंबानी की कंपनी ने चुकाया यस बैंक का पूरा लोन

375 रुपये के पार पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने सोमवार को घोषणा की है कि उसने 273 करोड़ रुपये के एक लोन का यस बैंक को फुल सेटलमेंट कर दिया है, इसमें ब्याज भी शामिल है। यह उधारी, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई जेआर टॉल रोड प्राइवेट लिमिटेड पर थी। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर सोमवार को बीएसई में तेजी के साथ 379 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले 2 महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्टर के शेयरों

में 41 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

पूरे बकाए का कर दिया भुगतान- रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा है कि जेआर टॉल रोड प्राइवेट लिमिटेड के साथ रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने बतौर कॉरपोरेट गारंटर यस बैंक के साथ पहले के सेटलमेंट एग्रीमेंट में एक अडेन्डम पर दस्तखत किए और पूरे बकाए का भुगतान कर दिया है। यस बैंक के शेयर सोमवार को बीएसई में तेजी के साथ 19.91 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

इजरायल-ईरान युद्ध से रसोई गैस पर मंडरा रहा बड़ा खतरा, सिर्फ 16 दिनों का स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरों में रसोई गैस के लिए इस्तेमाल होने वाले हर तीन में से दो सिलेंडर पश्चिम एशिया से आते हैं। उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि अगर क्षेत्र में तनाव बढ़ता है और सप्लाई बाधित होती है, तो सबसे पहले और सबसे अधिक राजनीतिक रूप से संवेदनशील झटका आम घरों को ही लगेगा।

अमेरिकी हमलों ने बढ़ाई चिंता- ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों ने दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति रुकने की आशंकाएं और बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थितियों की तैयारी में भारतीय नीति निर्माताओं और उद्योग नेताओं ने यह माना है कि सभी ईंधनों का जोखिम एक जैसा नहीं है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर एलपीजी सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

दोगुनी हुई खपत, बढ़ी निर्भरता- पिछले एक दशक में, सरकार के प्रयासों से भारत में एलपीजी का

इस्तेमाल दोगुना होकर 33 करोड़ घरों तक पहुंच गया है। इससे देश की आयात पर निर्भरता बढ़ी है। कुल एलपीजी का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आता है और इसका करीब 95 प्रतिशत हिस्सा सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आता है।

एनपीसीआई की नई सुविधा

पैन-बैंक खाते का तुरंत सत्यापन से इनकम टैक्स रिफंड जल्द मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय भुगतान निगम ने आयकर पोर्टल पर पैन और बैंक खात को रियल टाइम में सत्यापित करने की नई सुविधा शुरू की है। इसके जरिए करदाताओं को आयकर रिफंड जल्दी और बिना गलती के मिलेगा। इसके साथ ही सरकारी लाभ

हस्तांतरण की प्रक्रिया भी तेज होगी। एनपीसीआई ने हाल ही में इसे लेकर नया सर्कुलर जारी किया है। एनपीसीआई के अनुसार, नई प्रणाली विशेष रूप से सरकारी विभागों के लिए बनाई गई है। यह सीधे बैंकों के मुख्य सिस्टम से जुड़कर पैन विवरण, बैंक खाता स्थिति और खाताधारक के नाम की तुरंत पुष्टि करके इन्हें सत्यापित कर देगी। चूंकि यह सरकार को प्रदान की जाने वाली सेवा है, इसलिए सभी सदस्य बैंकों को इसे प्राथमिकता के साथ लागू करने का निर्देश दिया गया है।

इंफीबीम एवेन्यूज़ लिमिटेड ने एआई नवाचार के लिए 700 करोड़ के राइट्स इश्यू की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी डिजिटल पेमेंट्स और ई-कॉमर्स टेक्नोलॉजी कंपनी इंफीबीम एवेन्यूज़ लिमिटेड ने 700 करोड़ तक के राइट्स इश्यू की घोषणा की है। यह फंड रेज़िंग कंपनी के रणनीतिक तकनीकी विस्तार, एआई नवाचार और प्रमुख सब्सिडियरी कंपनियों के विकास को गति देने हेतु किया जा रहा है। राइट्स इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट 26 जून 2025 तय की गई है, जबकि राइट्स इश्यू 03 जुलाई 2025 से खुलेगा। इश्यू से प्राप्त धनराशि का उपयोग मुख्यतः कंपनी की प्रमुख सहायक कंपनियों–इंफीबीम प्रोजेक्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, न्यूरोमाइंड टेक्नोलॉजीस प्रा. ली. और रीडिफ डॉट कॉम इंडिया लिमिटेड में निवेश, रणनीतिक अधिग्रहण और सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जाएगा। न्यूरोमाइंड टेक्नोलॉजीस जो कि गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में स्थित कंपनी की एआई फोकस्ड सहायक इकाई है, उसमें ?294 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इस निवेश से एक अत्याधुनिक एजेंट एआई डेवलपर प्लेटफॉर्म और नेस्ट जनरेशन रीजनिंग मॉडल्स विकसित किए जाएंगे।

फर्जी डीलरशिप के घोटालों से जूझ रही हैं एफएमसीजी कंपनियां

- दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को दिया फर्जी डीलरों पर एफआईआर का निर्देश
- रिलायंस रिटेल के मुकदमें के बाद हरकत में दिल्ली पुलिस, जांच तेज

मुंबई, एजेंसी। हर हाथ में मोबाइल और किफायती इंटरनेट से देश में डिजिटल लेन-देन काफी बढ़ गया है। घर बैठे ऑनलाइन शॉपिंग करनी हो या टिकट बुक करानी हो, बैंक का काम हो या शेयरबाजार में निवेश, सबकुछ अब बस एक क्लिक पर होने लगा है। रोजमर्रा के काम के साथ व्यापार करने में भी आसानी हुई है। लेकिन जैसे-जैसे व्यक्ति और व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे घोटालेबाज और नकली बिजनेस चलाने वाले भी बढ़ते जा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में, भारत में उद्यमियों को ठगने के लिए फर्जी डीलरशिप घोटाला सबसे पसंदीदा तरीका बन कर उभरा है। ये घोटालेबाज महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक हर तरफ तेजी से फैल रहे हैं। आम लोगों से व्यवसायियों तक हर कोई इनका शिकार बन रहा है, उदाहरण के लिए राजेश कुल्हार को ही लीजिए। गुड़गांव के इस व्यवसायी से हाल ही में बदमाशों ने फर्जी कार डीलरशिप का झांसा देकर 25 लाख रुपये लूट लिए। लेकिन कुल्हार अकेले नहीं हैं। हर साल सैकड़ों महत्वाकांक्षी उद्यमियों को ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता सामान ब्रांडों की डीलरशिप के झूठे वादों के साथ ठगा जाता है। वैसे तो फर्जी डीलरशिप के ज़्यादातर मामलों में घोटालेबाज़ बचकर निकल जाते हैं। परंतु हाल ही में रिलायंस रिटेल द्वारा धोखेबाजों के खिलाफ मुकदमे दायर करने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय ने फ़र्जी डीलरशिप से जुड़े कथित अपराधियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए।

गांव से निकले तो मिली सिर्फ 1,000 रुपये की नौकरी

फिर ऐसी चमकी किस्मत कि अब 2,700 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में जन्मे सुधीर के ने कभी सिर्फ 1,000 रुपये महीने की मामूली तनख्वाह पर नौकरी की। लेकिन, वह अपने सपनों का पीछा करते रहे। आज, उन्होंने कड़ी मेहनत और लगन से एक विशाल कार्गो और फ्रेट व्यवसाय खड़ा कर दिया है। उनकी कंपनी 2,700 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है। सुधीर दुबई की नेविगो शिपिंग एलएलसी और मुंबई की नेविगो शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन हैं। उन्होंने 1993 में तमिलनाडु के थूथुकुडी में शिपिंग उद्योग में अनुभव हासिल करने के बाद दुबई में एक लॉजिस्टिक्स कंपनी में काम किया। 2014 में उन्होंने नेविगो शिपिंग शुरू की। उनकी कंपनी दुनियाभर में कार्गो और फ्रेट सेवाएं देती है। वह टेक्सटाइल, फूड प्रोडक्ट, मेटल, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और कृषि उत्पाद जैसे विभिन्न प्रकार के कार्गो का प्रबंधन करते हैं। यूएई के अलावा उनकी कंपनियों के ओमान, सिंगापुर, मलेशिया, स्पेन, चीन, थाईलैंड, जापान, जर्मनी, अमेरिका, फ्रांस और इटली में भी कार्यालय हैं। आइए, यहां सुधीर के. की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

साधारण गांव में पले-बढ़े

सुधीर के. का जन्म केरल के तिरुवनंतपुरम से 25 किलोमीटर दूर एक साधारण गांव कोलायिल में हुआ था। उनके पिता सेना से सूबेदार के पद से रिटायर हुए थे। परिवार पति की छोटी सी पेंशन पर निर्भर था। सुधीर ने 1985 में धनुवाचपुरम गांव के एक स्कूल से 12वीं क्लास पास की। उस समय साइकिल खरीदना भी एक सपना था। इसलिए वह रोज 1 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाते थे। 1988 में उन्होंने वीटीएम कॉलेज से बी एससी की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने श्री विद्याधिराजा कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य में एमए में दाखिला लिया, लेकिन परीक्षा देने से पहले ही पढ़ाई छोड़ दी। 1991

में उन्होंने भवन के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, त्रिवेंद्रम से मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म में पीजी डिप्लोमा पूरा किया। 1992 में केरल विश्वविद्यालय से जर्मन भाषा का कोर्स करने के बाद भी सुधीर को नौकरी नहीं मिल रही थी।

सिर्फ 1,000 रुपये की नौकरी मिली – साल 1993 में सुधीर को एक चचेरे भाई के रेफरेंस से तमिलनाडु के थूथुकुडी में अरेबी शिपिंग कंपनी में सिर्फ 1000 रुपये महीने के वेतन पर एंट्री-लेवल मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी मिली। उन्होंने वहां डेढ़ साल काम किया। इसके बाद सुधीर कोच्चि चले गए और ए वी थॉमस एंड कंपनी लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग विभाग में शामिल हो गए। इसी कंपनी में उनकी मुलाकात अंजलि से हुई, जो आगे चलकर उनकी प प्रतिशती बनीं।

दुबई में चमकी किस्मत

बेहतर जीवन की तलाश में अंजलि 1998 में दुबई चली गईं और वहां कस्टमर सर्विस की नौकरी करने लगीं। सुधीर भी 1999 में बेहतर करियर की संभावनाओं के साथ दुबई चले गए और उन्हें एक कंपनी के सेल्स विभाग में नौकरी मिल गई। दुबई में दोनों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। 2007 में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब सुधीर को कारवेल लॉजिस्टिक्स में असिस्टेंट मैनेजर की नौकरी मिली। कंपनी के मालिक साजू चाको ने उनकी क्षमता पर विश्वास किया। उन्हें काम करने की बहुत आजादी दी। सात साल के भीतर वह जनरल मैनेजर के पद पर पहुंच गए।

करोड़ों का साम्राज्य खड़ा किया

2014 में सुधीर ने अपनी खुद की लॉजिस्टिक्स कंपनी शुरू करने का साहसिक कदम उठाया। अप्रैल 2014 में कारवेल लॉजिस्टिक्स छोड़ दी। उन्हें अपने पहले निवेशक का समर्थन मिला, जिन्होंने लगभग 1 करोड़ रुपये का योगदान दिया। उन्हें व्यावसायिक अवसर प्रदान किए। सुधीर उन्हें भगवान की तरह मानते हैं। इसके बाद सुधीर ने दुबई में नेविगो शिपिंग एलएलसी और मुंबई में नेविगो शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। ये कंपनियां समुद्र, वायु और सड़क मार्ग से दुनिया के सभी कोनों में कार्गो और फ्रेट का परिवहन करती हैं। आज, नेविगो शिपिंग का कुल कारोबार 2,700 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा-

रोहित, विराट को अगले विश्वकप के लिए शायद ही जगह मिले

2027 में कोहली 38 और रोहित 40 साल के हो जाएंगे

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे सौरव गांगुली ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा को शायद ही साल 2027 के एकदिवसीय विश्वकप में जगह मिले। गांगुली के अनुसार तब तक फिटनेस बनाये रखना इन दोनो के लिए कठिन होगा। गांगुली ने कहा, 'हम सभी को समझना होगा कि हर एक दिन के गुजरने के साथ ही खेल उनसे दूर हो जाएगा। अगला एकदिवसीय विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में साल 2027 में होगा तब तक कोहली 38 और रोहित 40 साल के हो जाएंगे और बढ़ती उम्र के साथ ही फिटने भी कम होती जाती है। तब तक भारतीय टीम को 27 एकदिवसीय मैच खेलने हैं। इस प्रकार साल में उसे 15 मैच खेलने होंगे। गांगुली ने कहा, 'साल में 15 मैच खेलना आसान नहीं होगा। वहीं रोहित और विराट ने बार-बार कहा है कि वह अगला विश्वकप जीतना चाहते हैं। वहीं गांगुली से जब पूछा गया कि वह रोहित और कोहली को क्या सलाह देना चाहेंगे। तब उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें कोई सलाह नहीं दूंगा। मुझे लगता है कि वे अपने खेल के बारे में अच्छे से समझते हैं। वे ही इसकों लेकर फैसला लेंगे। गांगुली ने कहा कि कोहली जैसा खिलाड़ी फिर मिलना आसान नहीं होगा पर वह इन दोनों के संन्यास के बाद भी भारतीय क्रिकेट को लेकर चिंतित नहीं हैं क्योंकि कई प्रतिभाएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा, 'मैं चिंतित नहीं हूं। विराट शानदार खिलाड़ी है। उसका विकल्प तलाशने में समय लगेगा पर मैं हैरान नहीं हूं। वहीं बात रोहित को लेकर है। साथ ही कहा कि किस भी खिलाड़ी के लिए बेहतर प्रदर्शन तभी संभव होता है जब शरीर साथ दें क्योंकि समय के साथ शरीर के रिफलैक्सेस धीमे होने लगते हैं और शॉट खेलना कठिन होता है।

इंग्लिश गेंदबाज वुड ने की प्रशंसा

बुमराह को विश्व का सर्वश्रेठ गेंदबाज बताया

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। वुड ने कहा कि बुमराह वर्तमान समय में विश्व के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। वुड के अनुसार वह तीनों प्रारुपों में काफी समान रुप से प्रभावी हैं। वुड फिट नहीं होने कारण अभी भारत- इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में शामिल नहीं हैं पर वह अंतिम मैच के लिए शामिल किये जा सकते हैं। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान चोटिल हो गये थे।

बुमराह को लेकर वुड ने कहा, वह सभी प्रारूपों में एक असाधारण और बेहद खतरनाक गेंदबाज हैं। उसका सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए कठिन है। वह जितना दिखता है, उससे कहीं ज्यादा तेज गेंदबाजी करता है। अभी वह विश्व का सबसे अच्छा गेंदबाज है और किसी भी क्षण मैच का रुख बदल सकता है।

वुड ने कहा कि उन्होंने ट्रेनिंग शुरू कर दी है और वह अंतिम टेस्ट में खेल सकते हैं। अंतिम टेस्ट मैच इंडिया जुलाई के अंतिम सप्ताह में शुरू होगा तब तक वुड फिट हो जाएंगे। बुमराह ने टेस्ट मैच में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए 13 ओवर में 48 रन दिये। इससे पहले भी विश्व के कई दिग्गज क्रिकेटरों का कहना है कि अपनी सटीक लाइन व लैंथ के साथ ही अपनी यार्कर से बुमराह काफी खतरनाक साबित होते हैं। उनकी गेंदबाजी में विविधत रहती है जिससे बल्लेबाज हमेशा दबाव में रहते हैं। इस गेंदबाज ने डेब्यू के कुछ साल के अंदर ही अपने को साबित किया है।

डब्लयूडब्यलूयई में कार्डोना की वापसी संभव

लास एंजिल्स। जैक रायडर के नाम से पहचान बनाने वाले मैट कार्डोना की डब्लयूडब्यलूय ई में वापसी हो सकती है। दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने स्मैकडाउन पर एक प्रोमो के दौरान कार्डोना का नाम लिया था जिससे रेसलिंग जगत में कार्डोना की वापसी की संभावनएं जतायी जा रही हैं। कार्डोना ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा कि वह एक बार फिर डब्लयूडब्यलूय ई में उतर सकते हैं। इससे बाहर होने के बाद से ही कार्डोना इंडिपेंडेंट रेसलिंग में छाए हुए थे और उन्होंने कई चैंपियनशिप जीती हैं। वहीं अब सीना के बयान के बाद प्रशंसकों को अंदाजा है कि कार्डोना वापसी करेंगे।सीना ने सीएम पंक के 2011 के पाइपबॉम्ब की याद दिलाते हुए, कार्डोना के साथ-साथ क्लाउडियो कास्टाग्नोली और निक नेमथ का भी जिक्र किया है जिससे रेसलिंग की दुनिया में अटकलें लगायी जा रही हैं। कार्डोना ने कहा कि हे जॉन सीना, जिससे यह साफ हो गया कि उन्होंने सीना की बातें सुनी हैं। हालांकि यह पल कई प्रशंसकों के लिए अजीब था पर उन लोगों के लिए हैरान की बात भी नहीं है जो 2020 में डब्लयूडब्यलूय ई से कार्डोना की रिलीज के बाद से उनकी नई यात्रा देख रहे हैं। गौरतलब है कि कार्डोना ने न्यूयॉर्क रेसलिंग कनेक्शन में अपना रेसलिंग करियर शुरू किया और फिर साल 2000 के दशक के मध्य में डब्लयूडब्यलूय ई के डेवलपमेंटल सिस्टम में शामिल हुए। उन्होंने जैक रायडर के रूप में मेन स्ट्रीम में सभी का ध्यान खींचा। वह कर्ट हॉकिन्स और एज के साथ टैग टीम ला फैमिलिया में शामिल हुए। । डब्लयूडब्यलूय ई ने उन्हें 2020 में महामारी के कारण बजट कटौती के कारण रिलीज कर दिया था। कार्डोना ने इससे बाहर निकलने को एक नये अवसर के रुप में लिया। वह धीमा होने की जगह और तेज हो गए। उन्होंने अपने असली नाम से खुद को रीब्रांड किया और इंडिपेंडेंट रेसलिंग में अपनी अलग पहचान बनाई।

रुतुराज, ईशान सहित कई क्रिकेटर काउंटी खेलते नजर आयेंगे

रुतुराज यॉर्कशायर की ओर से पूरा सत्र खेलते हुए नजर आएंगे

मुम्बई। भारत के कई क्रिकेटर आने वाले दिनों में इंग्लैंड की काउंटी टीम में खेलते नजर आयेंगे। इसमें रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और तिलक वर्मा जैसे क्रिकेटर भी शामिल हैं। ये सभी अभी खाली हैं क्योंकि इनमें से किसी को भी इंग्लैंड दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में अपने फार्मा को बनाये रखने ये सभी काउंटी जाएंगे। भारतीय खिलाड़ी आम तौर पर काउंटी में लाल गेंद या एकदिवसीय क्रिकेट में भाग लेते हैं। रुतुराज यॉर्कशायर की ओर से पूरा सत्र खेलते हुए नजर आएंगे। वे केवल यहां रेड बॉल क्रिकेट के मैच खेलेंगे। वहीं तिलक भी काउंटी क्रिकेट में पहली बार नजर आयेंगे। वे हैम्पशायर के लिए इस सत्र में कुल 4 मैचों खेलेंगे। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान भी काउंटी क्रिकेट खेलेंगे। वह नॉटिंघमशायर की ओर से 2 लाल गेंद वाले गेम में खेलते हुए दिखेंगे। इसके अलावा स्पिनर युजवेंद्र चहल का नाम भी इस सूची में शामिल है। वह भी भारतीय टीम से अभी बाहर हैं। वह नोर्थेम्पटनशायर के लिए काउंटी के मैच खेलेंगे, बल्कि एकदिवसीय कप भी खेलने वाले हैं। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर का नाम भी इन खिलाड़ियों में शामिल था, जो एसेक्स के लिए सत्र के 7 मैच खेलने वाले थे पर भारतीय टीम में जगह मिलने के बाद उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया पर अगर अंत के मैचों में उनको अंतिम ग्याहर में जगह नहीं मिलती है तो वे अगस्त-सितंबर में कुछ मैच खेल सकते हैं।

अब 80 हॉकी खिलाड़ियों को भी टॉप्स का लाभ मिलेगा

नई दिल्ली। अब हॉकी खिलाड़ियों को भी 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' (टॉप्स) योजना का लाभ मिलेगा। खेल मंत्रालय इसके तहत चयनित हॉकी खिलाड़ियों को 25000 रूपये प्रतिमाह देगा। ये राशि उन्हें मिलने वाली राशि के अतिरिक्त होगी। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की हुई बैठक में टॉप्स योजना के तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों को यह राशि देना तय किया गया। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने कहा ,''हॉकी इंडिया की ओर से बार बार यह अनुरोध आ रहा था जिसे स्वीकार कर लिया गया है। इसके तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों (40 पुरूष और 40 महिला) को प्रतिमाह 25000 रूपये 'आउट आफ पॉकेट' भत्ता (ओपीए) दिया जायेगा जो टॉप्स योजना के तहत खिलाड़ियों को मिलता है।'' उन्होंने कहा ,' हमारा लक्ष्य यही है कि खिलाड़ी प्रदर्शन पर ध्यान दें करे और देश के लिये पदक जीतें।'' टॉप्स के तहत कोर समूह के खिलाड़ियों को 50000 रूपये और डेवलपमेंटल खिलाड़ियों को 25000 रूपये प्रतिमाह ओपीए दिया जाता है। वहीं टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (टीएजीजी) में शामिल खिलाड़ियों को 50000 रूपये प्रतिमाह मिलता है। इसके लिये हॉकी इंडिया हर महीने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को 80 खिलाड़ियों की सूची सौपेगा जिससे साफ है कि इसमें बदलाव भी हो सकता है। इसमें मूल रूप से सीनियर कोर ग्रुप में शामिल खिलाड़ी और जूनियर खिलाड़ी भी होंगे जो नियमित रूप से राष्ट्रीय टीमों का हिस्सा हैं। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खिलाड़ियों का आगामी टूर्नामेंटों से पहले मनोबल और बढेगा। टिर्की ने से कहा ,'' हम मंत्रालय को धन्यवाद देना चाहते हैं जिसने यह अहम फैसला लिया। हमारे खिलाड़ियों को विश्व कप, ओलंपिक और एशियाई खेल जैसे अहम टूर्नामेंट खेलने हैं और उनका मनोबल इस पहल से काफी बढेगा।'' गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी का स्तर तेजी से ऊपर की ओर बढा है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत ने 41 साल बाद कांस्य पदक जीता जबकि महिला टीम ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक बरकरार रखा।

मुंबई की टीम छोड़ना चाहते हैं पृथ्वी शॉ

मुंबई। भारतीय टीम के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ घरेलू टीम मुंबई का साथ छोड़ना चाहते हैं और उन्होंने इसके लिए मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा है। पृथ्वी ने एमसीए से इसलिए स्वीकृति मांगी है जिससे एक क्रिकेटर के रूप में प्रगति और विकास के लिए वह नई घरेलू टीम से अनुबंध कर सकें। पृथ्वी पिछले कुछ समय से लाल गेंद की टीम से बाहर हैं, लेकिन उन्होंने सीमित ओवरों के प्रारूप की क्रिकेट खेली है। हालांकि उनके मैदान के बाहर के अनुशासनात्मक मुद्दों ने मैदान पर उनके प्रदर्शन से अधिक सुर्खियां बटोरी हैं। एमसीए के एक सीनियर अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि एमसीए को पृथ्वी का पत्र मिला है जिसमें उन्होंने एनओसी देने की मांग की है। एमसीए सूत्र ने कहा, हां, हमें पृथ्वी का पत्र मिला है जिसे स्वीकृति के लिए शीर्ष परिषद के पास भेजा गया है। जल्द ही इस बारे में फैसला ले लिया जाएगा। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने एमसीए को भेजे पत्र में कहा कि वह मुंबई टीम में बिताए समय के लिए आभारी हैं लेकिन अब आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने 2017 में मुंबई के लिए पदार्पण किया था। पृथ्वी ने कहा, मैं इस अवसर पर एमसीए को ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने संघ का प्रतिनिधित्व करने के दौरान मुझे बहुमूल्य अवसर और अटूट समर्थन दिया। एमसीए का हिस्सा बनना बेहद सम्मान और सौभाग्य की बात है और मैं यहां प्राप्त अनुभव के लिए बहुत आभारी हूं। मेरे करियर के इस मोड़ पर मुझे एक अन्य राज्य संघ के तहत पेशेवर क्रिकेट खेलने का एक शानदार अवसर मिला है जो मुझे विश्वास है कि एक क्रिकेटर के रूप में मेरे विकास और प्रगति में और योगदान देगा।

कुछ ने कहा था कि मैं आठ महीने भी नहीं टिक पाऊंगा...

चोट का मजाक उड़ाने वालों को बुमराह का जवाब

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स के हेडिंग्ले में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। टीम इंडिया के लिए जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट झटके। हालांकि, अगर कैच न छूटे होते तो उन्हें और भी विकेट मिलते। यह बुमराह के टेस्ट करियर का 14वां फाइव विकेट हॉल रहा। ऐसा करने के बाद उन्होंने आलोचकों को भी निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा है कि आलोचक सोच रहे थे कि वह आठ से 10 महीने में समाप्त हो जाएंगे और नहीं खेल पाएंगे, लेकिन हर बार इसे गलत साबित करते हुए वह 10 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना जारी रखे हुए हैं। बुमराह ने पांच विकेट लेने के बाद कामयाबी के गुर के बारे में बात किया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें बुरा लगता है जब लोग उनके चोटिल होने पर उनके करियर के समाप्त होने के बारे में बात करते हैं? बुमराह ने जवाब दिया, लोगों ने पिछले कुछ वर्षों में क्या कुछ नहीं कहा। कुछ ने कहा कि मैं केवल आठ महीने खेलूंगा, कुछ ने कहा 10 महीने, लेकिन अब मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे कर लिए हैं और 12-13 साल आईपीएल खेला है। अभी भी लोग कहते हैं (हर चोट के बाद), वह खत्म हो जाएगा, वह चला गया और वापसी नहीं कर पाएगा। वो जो कहते हैं, उन्हें कहने दो, मैं अपना काम करता रहूंगा। हर चार महीने में ये चीजें सामने आती रहेंगी, लेकिन जब तक भगवान चाहेंगे, मैं खेलूंगा। मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ तैयारी करता हूं और फिर सबकुछ भगवान पर छोड़ देता हूं कि वह मुझे कितना आशीर्वाद देते हैं। बुमराह ने कहा कि वह लोगों की धारणा बदलने के लिए यहां नहीं हैं। उन्होंने कहा, लोग क्या कहते हैं या लिखते हैं, यह मेरे नियंत्रण से बाहर है और मैं लोगों को यह सलाह नहीं दे सकता कि वे मेरे बारे में क्या लिखें। हेडलाइन में मेरा नाम आने से दर्शक मिलते हैं, लेकिन मुझे इससे कोई परेशानी नहीं होती। बुमराह ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है, लेकिन मैच के अंत में पिच में दरार पड़ सकती है। उन्होंने कहा, इस समय बल्लेबाजी के लिए यह काफी अच्छा विकेट है। यह थोड़ा दोतरफा है, विकेट में कोई बड़ी समस्या नहीं है। मौसम के कारण, नई गेंद स्विंग करेगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में आप यही उम्मीद करते हैं। हम बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे और अच्छी खासी बढ़त हासिल करना चाहेंगे। दरअसल, बुमराह के लिए एशिया कप 2023 से पहले 12 महीने काफी कठिन रहे थे। उन्हें 2022 एशिया कप के समय चोट लगी थी और वह एक साल तक क्रिकेट से दूर रहे थे। इस दौरान न तो वह 2022 टी20 विश्व कप खेले और न ही आईपीएल 2023 में हिस्सा लिया। उनकी कमी टीम इंडिया को साफ महसूस हुई थी और टीम इंडिया न तो 2022 एशिया कप और न ही 2022 टी20 विश्व कप जीत पाई थी। लोग बुमराह के तीनों प्रारूपों में खेलने की काबिलियत पर सवाल उठाने लगे थे। एशिया कप 2023 से ठीक पहले आयरलैंड दौरे पर बुमराह ने वापसी की और उसके बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके सितारे बुलंद हैं। मैदान में वापसी के बाद से बुमराह ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है। वह और भी घातक हो गए हैं। बुमराह के आने के बाद से आईसीसी टूर्नामेंट में भारत का जलवा रहा है। टीम इंडिया ने 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई। फिर 2024 टी20 विश्व कप अपने नाम किया। हालांकि, इस साल की शुरुआत में वह फिर चोटिल हो गए थे और उनके बैक स्ट्रेस फ्रैक्चर की समस्या फिर से उजागर हुई थी। हालांकि, तीन महीने के करीब मैदान से बाहर रहने के बाद उन्होंने आईपीएल 2025 से वापसी की और अब इंग्लैंड दौरे पर कमाल कर रहे हैं।

डेढ़ करोड़ से बैरागढ़ कलां में बनेगी सड़क और शेड, विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया भूमिपूजन

भोपाल

रविवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने वार्ड 3 के बैरागढ़ कलाँ को बड़ी सौगात देते हुए लगभग 1.5 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। गौरतलब है की बैरागढ़ कलाँ की अवैध कॉलोनियों में रहवासी कई वर्षों से सड़क निर्माण न होने की वजह से परेशान थे। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा में नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि संत नगर के विकास के साथ साथ तेजी से विकसित होते बैरागढ़ कलाँ, भौरी, कोलूखेड़ी, नई बस्ती में विकास के निरंतर कार्य हमने विगत वर्षों में किए है। इंदौर रोड से बैरागढ़ कलाँ की सड़क का निर्माण हो या भौरी पहुँच मार्ग का निर्माण यह मेरी प्राथमिकता में सम्मिलित रहा। इन क्षेत्रों की अंदरूनी सड़कों का निर्माण भी बहुत तेज़ी से किया जाएगा।

अवैध कॉलोनीयों पर कार्यवाही के निर्देश

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा की मूलभूत सुविधाओं न देकर नागरिकों को ठगने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही के निर्देश उपस्थित जिला प्रशासन के अधिकारियों को दिए है। विधायक शर्मा में कहा कि जिन लोगो में नागरिकों के साथ धोखा किया है उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

लव जिहाद लैंड जिहाद से सतर्क रहने की जरूरत है

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा की लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ भी हमे डटकर लड़ना होगा।बेटी किसी की भी हो उसके सम्मान की रक्षा यह हमारा सामाजिक दायित्व है एकता के भाव के साथ हमे ऐसे कट्टरपंथियों से निपटना है।

गांधी मेडिकल कॉलेज में जागरूकता सत्र आयोजित

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आज एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें योगाभ्यास के साथ मानसिक शांति और ध्यान पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. संध्या नायर द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात योग प्रशिक्षिका वैशाली मालवीय व डॉ. डॉली द्वारा शारीरिक योगाभ्यास कराया गया, जिसमें मेडिकल स्टूडेंट्स, फैकल्टी व स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मानसिक स्वास्थ्य व मेडिटेशन सत्र का संचालन ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से क्ष्य अन्नपूर्णा बहन एवं डॉ. देवयानी द्वारा किया गया। उन्होंने राजयोग की विधि से सभी को आंतरिक शांति और ऊर्जा जागरण का अनुभव कराया।

इस अवसर पर गाँधी मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. कविता एन. सिंह मैडम ने योग को अपनी नियमित दिनचर्या मैं शामिल करने का आवाहन किया तथा कार्य को सफल बनाने हेतु अपनी शुभकामनाये प्रेषित की तथा अगले वर्ष इसको और बड़े स्तर से मनाने की इच्छा जाहिर की। इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ. आर. पी. कौशल , डॉ. वाधवानी मैडम , डॉ. देवेंद्र गौर, डॉ. वंदना शर्मा, डॉ कुलदीप गुप्ता सहित कॉलेज के अन्य फैकल्टी मेंबर्स, स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन हमीदिया चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ संजीव जयंत द्वारा किया गया तथा अंत मैं सभी का आभार डॉ आर पी कौशल सर के द्वारा किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक तनाव से मुक्ति, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता व जीवनशैली संतुलन को बढ़ावा देना था।तथा योग के महत्व को सभी चिकित्सीय परिवार से जुड़े हुए लोगो के बीच फैलाना रहा। कार्यक्रम के अंत मैं सभी को सेव वितरण किया गया तत्पश्चात सभी ने प्रस्थान किया।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हुआ कार्यक्रम

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल में 11 वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय की कुलपति, कुल सचिव एवं अन्य शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर योग किया , योग ट्रेनर के रूप में कुलसचिव प्रोफेसर मोहन सेन ने योग की ट्रेनिंग दी एवं इस आशय के साथ की रोज 1 घंटे का समय निकालकर प्रोफेसर मोहन सेन सब को योग करवाएंगे, इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर राजीव त्रिपाठी ने कहा कि योग को अपने दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, हम सभी जानते हैं कि योग सिर्फ एक अभ्यास नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है जो हमें अधिक संतुलित,स्वस्थ और आनंदपूर्ण जीवन जीने की दिशा में प्रेरित करती है।

तेली साहू महासंगठन की जिला कार्यकारिणी घोषित

भोपाल। साहू समाज भोपाल की जिला कार्यकारिणी बैठक शिखा होटल भानपुर में सुबह 10 बजे राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारीयो की उपस्थिति में मां कर्मा देवी के दरबार में दीप प्रज्वलित से बैठक का। शुभारंभ किया गया। प्रथम सत्र में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष किशोर साहू ने संगठन का विस्तृत विवरण पर उद्बोधन दिया। द्वितीय सत्र में प्रदेश महामंत्री बाबूलाल साहू ने संगठन का विस्तार एवं आगामी योजना पर चर्चा की, तृतीय सत्र में जिला कार्यकारिणी युवा कार्यकारिणी एवं महिला कार्यकारिणी के दायित्वों की घोषणा की एवं सभी नवीन पदाधिकारी को मनोनयन पत्र वितरित किए,समाज की मर्यादा एवं आदर्श और मजबूती के लिए सभी नवीन पदाधिकारी को शपथ दिलवाई गई। समापन सत्र में साहू समाज के जिला अध्यक्ष श्री राजेश साहू ने अध्यक्षीय भाषण एवं सभी मंच आसीन पदाधिकारी एवं नवीन दायित्व पदाधिकारी का आभार प्रकट एवं शुभकामनाएं दी ।बैठक का संचालन आईटी प्रदेश अध्यक्ष श्री रवि साहू जी द्वारा किया गया। बैठक समापन पश्चात सभी ने भोजन प्रसादी ग्रहण की इस बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश संरक्षक डी.डी.साहू युवा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह साहू युवा प्रदेश कार्य अध्यक्ष राजेश साहू शिक्षक , हरिश साहू , प्रदेश उपाध्यक्ष महिला डॉक्टर तिलोत्मा आजाद प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश साहू हरि प्रसाद साहू ,प्रदेश कार्य अध्यक्षसंतोष साहू ,प्रदेश संगठन मंत्री कन्हैयालाल साहू प्रदेश मंत्री कन्नू प्रसाद साहू प्रदेश अपर महामंत्री मुकेश साहू भोपाल जिला युवा अध्यक्ष करण साहू सहित जिले के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

अमरनाथ यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो इसके लिए वर्षा जल से भोलेनाथ का किया जलाभिषेक

भोपाल। शिव शक्ति सेवा समिति के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से आरंभ होकर 9 अगस्त रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगी जो कि 38 दिनों की होगी । मंडल का पहला जत्था 29 जून और अंतिम जत्था 28 जुलाई को जायेगा । अमरनाथ यात्रा निर्विघ्न सम्पन्न हो इसके लिए मण्डल सदस्यों द्वारा इंद्रपुरी स्थित महादेव मंदिर में पंडित गिरीश मिश्रा जी के द्वारा विधि विधान एवम मंत्रोतचारणों द्वारा बर्षा के पवित्र जल से भोले नाथ का जलाभिषेक कर हवन किया गया । हवन के लिए कु जानवी गौतम द्वारा अग्नि प्रज्वलित की गई ,अग्नि के प्रज्वलित होते ही मूसलाधार बारिश शुरू हो गई थी, इसी मूसलाधार बारिश में हवन किया गया । सभी भोले के भक्तों द्वारा ओम नमः शिवाय का जाप कर भगवान भोले नाथ से प्रार्थना की गई कि भोलेनाथ अमरनाथ यात्रिओं की प्राकृतिक आपदा ,उग्रवाद एवं आतंकवाद से रक्षा करें । इस पुनीत कार्य में मुख्य रूप से मंडल सचिव रिंकू भटेजा , सचिन सेवारमानी, गुड्डू अग्रवाल, योगेश श्रीवास्तव, प्रदीप सोनी, गजेंद्र ठाकुर, राजकुमार रघुवंशी , अवनीश वर्मा,बृजेश पाठक,अरुण तिवारी, कपिल ग्वाला ,प्रकाश पाटिल, मनीष पवासे, मुकेश रैकवार, देवराव तयखण्डे, अमरीश पटेल, सचिन आर्य, श्याम अग्रवाल, राज नारायण पटेल ,राज कुमार रघुवंशी , सुमित गिरी, अशोक काकडे, , हरबंस सिंह,जनार्दन शर्मा , मोनू चौरसिया, राधेश्याम कैलाशिया , दिनेश वर्मा ,अजीत सिंह , संजय चंद्रवंशी ,सचिन राठौर ,अशोक यादव, अमित सिंह ,दिव्या बोहरा , उमा कपूर ,मंजू गौतम ,कविता अग्रवाल,पुष्पा राही , पवित्रा वर्मा ,कविता अग्रवाल , सहित अनेकों अमरनाथ यात्री उपस्थित थे।

राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी महिला मोर्चा की जिला बैठक में आगामी कार्ययोजनाओं पर की चर्चा

भोपाल। राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन के महिला मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन शनिवार को भोपाल के कोलार स्थित मनभावन रेस्टोरेंट के पास में सायं 6 बजे सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन के विभिन्न स्तरों की महिला पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। इस बैठक की मुख्य अतिथि दमोह से पधारीं संगठन की प्रदेश अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) श्रीमती राधा तिवारी रहीं। उनका आत्मीय स्वागत जिला उपाध्यक्ष श्रीमती नीतू सेंगर ने तिलक कर एवं माल्यार्पण के साथ किया। इसके साथ ही, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा हरित का स्वागत प्रदेश महामंत्री श्रीमती अंजुला सोनी द्वारा किया गया, जबकि प्रदेश मंत्री श्रीमती सविता श्रीवास्तव का अभिनंदन कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती उर्मिला जी ने किया। जिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा श्रीवास्तव का स्वागत कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती अनिता पटवा द्वारा किया गया। बैठक का कुशल संचालन कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती संजू श्रीमाली ने किया। इस अवसर पर संगठन के उद्देश्यों, महिला मोर्चा की सक्रिय भूमिका और आगामी कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने संगठन विस्तार के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम में महिला शक्ति की संगठित भूमिका पर जोर देते हुए वक्ताओं ने समाज में सांस्कृतिक और राष्ट्रहित में संगठन की आवश्यकता को रेखांकित किया। संगठन की ओर से सभी उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को साधुवाद व शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं।

रोटरी क्लब भोपाल मिड टाउन ने उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अवार्ड वितरित किए

भोपाल। रोटरी क्लब भोपाल मिड टाउन द्वारा वर्ष 2024 25 जोश और जुनून थीम के कार्यकाल में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए क्लब सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापन एवं क्लब अवार्ड्स कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष, मानव सचिव एवं कोषाध्यक्ष द्वारा अवार्ड वितरित किए गए। यह अवसर था क्लब सदस्यों द्वारा की गई मेहनत और परिश्रम को पहचानने का और उन्हें सम्मानित करने का एक प्रयास। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉक्टर प्रीती उपाध्याय द्वारा वर्ष भर में विभिन्न सेवा प्रकल्पों पर किए गए कार्य का उल्लेख किया गया। इस वर्ष क्लब द्वारा विविध सेवा प्रकल्प जिन में प्रमुख रूप से विंटर गेम्स, प्लांटेशन, जनरल नॉलेज क्वीज, गुरु सम्मान, ब्लड डोनेशन कैम्प , कलरव, भारतीय सांकेतिक भाषा कार्यशाला एवं रोटरी जॉब फेयर का आयोजन किया। रोटेरियन संजय निगम, एसके भार्गव, सुयश सिंह, अमित तनेजा, विनोद तिवारी ,रुचिता अग्रवाल दिनेश मुंद्रा, आभास जैन,रश्मि गुर्जर आदि प्रमुख रूप से सम्मानित किये गये।क्लब द्वारा सम्मानित सभी सदस्यों नहीं किए गए कार्य क्षेत्र के बारे में अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम का संचालन रो.अशोक गुप्ता द्वारा किया गया।

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के विभाग की ट्रांसफर लिस्ट में गड़बड़ी, एक पोस्ट पर 2-2 अफसर

भोपाल। मध्य प्रदेश में तबादलों का मौसम चल रहा है। सरकार ने सालों से जमे अफसरों कर्मचारियों बदलने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में पुलिस से लेकर अन्य सभी विभागों में लगातार तबादले हो रहे हैं। तबादला करने की हड़बड़ी में बड़ी बड़ी गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। ताजा मामला डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के वाणिज्यिक कर विभाग का है। विभाग की तबादला सूची से में भारी गड़बड़ी उजागर हो रही है। कई जगह नए अफसर तो भेजे गए, लेकिन पहले से पदस्थ अधिकारियों को हटाया ही नहीं गया। इससे एक ही पद पर दो-दो अफसर तैनात हो गए हैं।

ग्वालियर से भोपाल तक उलझी तबादला चेन: ग्वालियर संभाग 1 के डिप्टी कमिश्नर परमानंद सौंधिया को ग्वालियर वृत्त 3 भेजा गया, जबकि ग्वालियर वृत्त 3 के हरिदास भालेकर को सागर भेजा गया और वहां से निर्मल परिहार को भोपाल वृत्त 5 भेजा गया। मगर, भोपाल वृत्त 5 में पहले से पदस्थ मिथलेश वामनकर को हटाया ही नहीं गया। यही स्थिति मंडीदीप, नरसिंहपुर और कटनी वृत्त में भी दिखी।

मंडीदीप में दो डिप्टी कमिश्नर तैनात: भोपाल ऑडिट विंग से नरेंद्र सिंह चौहान को मंडीदीप भेजा गया। लेकिन वहां पहले से डिप्टी कमिश्नर प्रीति प्रभुलता पन्ना पदस्थ हैं। दोनों की मौजूदगी से अधिकार क्षेत्र में भ्रम की स्थिति बन गई है।

नरसिंहपुर में एक ही पद पर दो अधिकारी: सुप्रिया पाठक को नरसिंहपुर भेजा गया है, जबकि वहां की मौजूदा अफसर दुर्गेश पटेल का तबादला पहले किया गया और बाद में रद्द कर दिया गया। ऐसे में दोनों अफसर एक ही पद पर आ गई हैं।

भोपाल, सागर और टीकमगढ़ में भी दो दो अफसर: सतना के असिस्टेंट कमिश्नर नवीन दुबे को भोपाल भेजा गया, लेकिन वहां से किसी को नहीं हटाया गया। भोपाल वृत्ति कर की श्वेता साठे को संभाग क्रमांक 1 भेजा गया, पर वहां भी पुराना अफसर जस का तस है।

जहां कोई अफसर नहीं, वहां किसी को नहीं भेजा: भोपाल सर्किल 5 में मिथलेश वामनकर और मंडीदीप में प्रीति पन्ना को जॉइंट कमिश्नर का प्रभार दिया जाना था। लेकिन अब विभागीय पदोन्नति आदेश जारी होने से यह प्रक्रिया अधर में लटक गई है। छतरपुर जिले के नौगांव जैसे स्थानों पर सालों से अफसर नहीं हैं, पर नई तबादला सूची में वहां किसी को नहीं भेजा गया। इससे विभागीय कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है।

ICJS क्रियान्वयन पर कार्यशाला आयोजित करने में मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बना

भोपाल। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा ICJS के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समय-समय पर की जा रही उच्चस्तरीय समीक्षा बैठकों तथा मुख्य सचिव अनुराग जैन एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना द्वारा की जा रही सतत् समीक्षा एवं मार्गदर्शन के प्रतिफलस्वरूप राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो पुलिस मुख्यालयभोपाल द्वारा रविवार को ICJS Implementation and Digital Integration विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का भव्य एवं सफल आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे सभागार (मिंटो हॉल), भोपाल में किया गया। यह कार्यशाला अपने स्वरूप और उद्देश्य की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय आयोजन साबित हुई, जिसमें Interoperable Criminal Justice System (ICJS) के अंतर्गत समस्त स्तंभ पुलिस, न्यायालय, अभियोजन, जेल, फॉरेंसिक एवं स्वास्थ्य एक ही मंच पर एकत्रित हुए। कार्यशाला में इन विभिन्न स्तंभो के प्रतिनिधियों ने आपसी अनुभवों, व्यावहारिक चुनौतियों तथा समाधान-आधारित विचारों को साझा करते हुए ICJS के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वित रूपरेखा पर विचार-विमर्श किया। उक्त कार्यशाला का आयोजन कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति संजीव सचदेवा, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश कैलाश मकवाना के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, SCRB जयदीप प्रसाद के नेतृत्व तथा उप पुलिस महानिरीक्षक हेमंत चौहान के समन्वय में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति संजीव एस. कलगांवकर, न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, म.प्र., कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विशेष पुलिस महानिदेशक (अ.अ.वि.) पवन कुमार वास्तव एवं मंचासीन अतिथि गणों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य ICJS के अंतर्गत पुलिस, अभियोजन, न्यायालय, जेल, फॉरेंसिक व स्वास्थ्य विभागों के मध्य डिजिटल समन्वय को सशक्त बनाना तथा क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों और कमियों पर संवाद कर उनके समाधान की रूपरेखा तैयार करना था। कार्यशाला में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, जोनल ADG/IG, जिला न्यायाधीश, पुलिस अधीक्षक, अभियोजन, जेल, फॉरेंसिक और स्वास्थ्य विभागों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। न्यायमूर्ति संजीव एस. कलगांवकर ने ICJS के अंतर्गत ICJS के विभिन्न पिलर्स द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए सीमित संसाधनों में कार्य कर रहे अधिकारियों की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की तथा कहा कि ICJS अंतर्गत समस्त पिलर्स ICJS के समस्त दायित्वो एवं अपेक्षाओ को आपसी समन्वय बनाकर पूर्ण करे। अधिवक्ता एवं साइबर लॉ कंसल्टेंट डॉ. निशीथ दीक्षित ने न्यायालयों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की वैधता विषय पर एक व्यावहारिक व उपयोगी व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशेष पुलिस महानिदेशक पवन कुमार वास्तव ने ICJS व नवीन आपराधिक कानूनों की पृष्ठभूमि में मध्यप्रदेश पुलिस की भूमिका, प्रगति और अपेक्षाएं साझा कीं। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (दूरसंचार) आशुतोष पांडे ने अभियोजन प्रक्रिया में डिजिटल बदलाव, ADG चंचल शेखर ने पुलिस में डिजिटाइजेशन, और स्क्क देवास पुनीत गेहलोत ने ICJS पायलट प्रोजेक्ट- देवास अनुभव÷ विषय पर अपने अनुभव साझा किए। इसके अतिरिक्त, हृद्धृष्ट से दीपक कुमार एवं कौशी जान ने डिजिटल एकीकरण पर, स्वास्थ्य आयुक्त तरुण राठी ने MedLeaPR प्रणाली द्वारा स्वास्थ्य एवं पुलिस समन्वय पर, तथा स्नरुसंचालक शशिकांत शुक्ला ने e-Forensic ऐप्लिकेशन पर अपने व्यावहारिक अनुभव प्रस्तुत किए। कार्यशाला के समापन सत्र में प्रतिनिधियों के साथ समूह चर्चा आयोजित कर ICJS के क्रियान्वन को लेकर ठोस सुझाव एकत्रित किए गए। उक्त कार्यशाला में संकलित सुझाव ICJS के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे। कार्यशाला में विभिन्न पिलर्स के E&perts के द्वारा दिया गया मार्गदर्शन ICJS के सशक्त क्रियान्वयन हेतु ठोस दिशा प्रदान करते हुए, इस पहल को एक निर्णायक उपलब्धि की ओर अग्रसर करेंगे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वैदिक सनातनी ज्योतिष महामंथन सम्मेलन का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि वैदिक सनातनी ज्योतिष महामंथन सम्मेलन में ज्योतिष के ज्ञान और अनुभव का लाभ मिलेगा। यह सम्मेलन इस क्षेत्र के लिए एक उपलब्धि साबित होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रीवा प्रकोष्ठ के सभागार में वैदिक सनातनी ज्योतिष महामंथन सम्मेलन का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति में ज्योतिष का विशेष महत्व रहा है। ज्योतिष के माध्यम से सटीक गणना का आकलन करने की विधि सर्वमान्य रही है। उन्होंने कहा कि इस ज्योतिष यात्रा में जो ज्ञान और अनुभव मिलेगें उससे समाज और जनसामान्य का कल्याण होगा। सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने रीवा में आयोजित हो रहे ज्योतिष महामंथन के लिए अपनी शुभकामनाएँ दी। अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्त, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी व सहित देश के ख्याति प्राप्त ज्योतिषाचार्य तथा विद्वान उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक एवं प्रकाशक संजय सूर्यवंशी द्वारा स्वराज पब्लिकेशन बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं बी-20/ए, दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास, वार्ड नं 81, चीचली कोलार रोड भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित संपादक संजय सूर्यवंशी (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) RNI No. MPHIN/2010/35224 संपर्क सूत्र -9425376576